News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-272
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
वक्त का तक़ाज़ा ऐसा है आज किसका है कल किसका होगा किसे नहीं पता।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 06 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मध्य प्रदेश का मौसम...

भोपाल, जबलपुर, इंदौर सहित 25 से ज्यादा जिलों में 6.3° तक लुढ़का पारा... ग्वालियर-मुरैना में स्कूलों की छुट्टी

मध्य प्रदेश में आज का मौसम (सोमवार, 6 जनवरी) को कैसा रहेगा। भोपाल, जबलपुर, इंदौर सहित 25 से ज्यादा जिलों में दिन का पारा 6.3 डिग्री तक लुढ़का है। खजुराहो का दिन सबसे सर्द है। यहां न्यूनतम टेंपरेचर 16 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। ठंड के कारण ग्वालियर और मुरैना में 8वीं क्लास तक के स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। भिंड में स्कूलों का समय बदला है। सोमवार को सतना, रीवा, मैहर सहित 15 शहरों में कोहरा छाया है। मौसम विभाग के मुताबिक, एमपी में अगले 48 घंटे में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। दिन-रात के पारे में गिरावट होगी। 12 जनवरी से कई जिलों में हल्की बारिश होने का अनुमान है।

आज इन जिलों में कोहरा

सोमवार (6 जनवरी) को सतना, रीवा, मैहर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, नीमच, श्योपुर और मंदसौर में कोहरा छाया है। मौसम विभाग ने मंगलवार (7 जनवरी) को नीमच, भिंड, दतिया, निवाड़ी, सिंगरौली, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, छतरपुर, सतना,मंदसौर, मऊगंज, सीधी, टीकमगढ़, मैहर और रीवा में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। 8 जनवरी को कोहरा छाने का अनुमान नहीं है। ठंड बढ़ेगी।

जानिए किस जिले में कितना लुढ़का पारा

भोपाल, जबलपुर, इंदौर सहित 25 से ज्यादा जिलों में दिन का पारा 6.3 डिग्री तक लुढ़का है। पिछले 24 घंटे में टीकमगढ़ में सबसे ज्यादा 6.3 डिग्री अधिकतम तापमान गिरा। गुना 4.8, ग्वालियर 4.2, नर्मदापुरम 4.2, इंदौर 1.4, पचमढ़ी 2.1, रतलाम 2.8, उज्जैन 3, भोपाल 1.5, बैतूल 3.8, दमोह 4.4, जबलपुर 3.6, खजुराहो 3.2, नवगांव 2.9, रीवा 2.4, सतना 4.6 और सागर में 3.8 डिग्री गिरावट आई है।

खजुराहो का दिन सबसे सर्द

खजुराहो का दिन प्रदेश में सबसे सर्द रहा। यहां दिन का तापमान 16 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। ग्वालियर में 17.5 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। टीकमगढ़ 19.7, सतना 18.4, सीधी 18.4 और रीवा में 18.8 डिग्री पारा रहा। मंडला में दिन का पारा सबसे ज्यादा 30.5 डिग्री दर्ज किया गया। नवगांव 19.6, भोपाल 28.4, गुना 25.7, इंदौर 30.2, खंडवा 30.1 और खरगोन में 30.1 डिग्री अधिकतम तापमान रहा।

जानिए क्या कह रहे मौसम वैज्ञानिक

मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी होने से सर्द हवा एमपी में आ रही है। आने वाले दिनों में हवा की रफ्तार और तेज होगी। प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। 10 जनवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने वाला है। इसका असर एमपी में दिखेगा। 12 जनवरी से प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। दिन-रात दोनों के ही तापमान में गिरावट होगी। 22 जनवरी तक प्रदेश में शीतलहर चलने का अनुमान है।

एमपीपीएससी में पद बढ़ाने को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

सरकार पर छात्रों से वादाखिलाफी का लगाया आरोप

राजधानी में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। एमपीपीएससी में पद बढ़ाने को लेकर शहर में एनएसयूआई ने अर्धनग्न प्रदर्शन कर सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार ने एमपीपीएससी के छात्रों से वादाखिलाफी की है। उन्होंने बताया कि 3 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए केवल 158 पद ही हैं, जो कि सिरे से गलत है।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर का कहना है कि एमपीपीएससी के छात्रों के साथ मोहन सरकार द्वारा वादा खिलाफी की गई है। प्रदर्शन में शामिल मध्यप्रदेश एनएसयूआई के उपाध्यक्ष को जेल में डाल दिया गया। जिनकी जमानत 3 दिन बाद हुई है। तोमर ने बताया कि पूरे 3 लाख से अधिक अभ्यर्थी है और पद केवल 158 जो कि पूरी तरह गलत है। अगर सरकार द्वारा 700 पदों की भर्ती नहीं निकाली जाती है तो मध्यप्रदेश एनएसयूआई दिल्ली तक छात्रों की आवाज बुलंद करेगी।

158 पदों पर भरे जाने हैं

दरअसल, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा (स्स्श्व) 2025 के लिए अधिसूचना जारी की है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तारीख 17 जनवरी, 2025 (दोपहर 12 बजे तक) तक रखी गई है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 158 पद भरे जाएंगे। जिसमें उप जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य नगर अधिकारी, नायब तहसीलदार,एमपीपीएससी जूनियर अकाउंट ऑफिसर सहित अन्य विभिन्न पद शामिल हैं। अब, इसी भर्ती प्रक्रिया में छात्र सरकार से पदों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

पत्रकार हत्याकांड.... मुख्य आरोपी ठेकेदार हैदराबाद से देर रात गिरफ्तार, एसआईटी की टीम कर रही पूछताछ

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्रकार हत्याकांड में एसआईटी की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। मामले में फरार मुख्य आरोपी सुरेश चन्द्रकार को देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया है। वहीं उसकी पत्नी को भी रविवार शाम कांकेर से हिरासत में लिया गया है। दोनों आरोपियों से एसआईटी की टीम मामले में पूछताछ कर रही है। घटना के बाद से आरोपी सुरेश चंद्रकार फरार हो गया था। वहीं इस मामले में पहले ही तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

राजिम में सभी पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि वहीं पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या को लेकर राजिम मुख्यालय में पत्रकारों रोष जताया। जहां उन्होंने पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक में मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पत्रकारों की मांग है कि, इस हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियो को फांसी की सजा दी जाए। इसके साथ ही आरोपियों की पूरी संपत्ति राजसात किया जाए। वहीं स्व. मुकेश चंद्राकर के परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। इस हत्याकांड को लेकर रविवार की शाम शहर के रेस्ट हाऊस में सारे रिपोर्टर इकट्ठा हुए और यहां से पैदल मार्च करते हुए पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक पहुंचे।

सीएम मोहन यादव की बड़ी घोषणा

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाएगा बड़नगर का सीएम राइज स्कूल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले के बड़नगर में 40 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नव-निर्मित सीएम राइज स्कूल भवन का लोकार्पण कर समारोह को संबोधित किया। लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कृषि उपज मंडी परिसर बड़नगर में 466.27 लाख रुपए की लागत से हुए नवनिर्माण कार्यों के भूमि-पूजन के साथ बड़नगर विधानसभा क्षेत्र में 343.80 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित 7 उप स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने सीएम राइज स्कूल का लोकार्पण कर नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की सराहना की। उन्होंने बड़नगरवासियों को नए साल में मिली इस नई उपलब्धि के लिए बधाई भी दी।

सीएम राइज स्कूल का नाम बदलेगा सीएम मोहन यादव ने कहा कि बड़नगर में आज जिस स्कूल को सीएम राइज के रूप में विकसित कर लोकार्पण किया गया है, इसी स्कूल में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने भी शिक्षा प्राप्त की थी। उनकी स्मृति में बड़नगर के सीएम राइज स्कूल का नाम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गांव और शहरों के नाम जन-भावनाओं के अनुरूप रखे जाएंगे। गजनीखेड़ी पंचायत को अब चामुंडा माता के नाम से जाना जाएगा। इसी तरह जहांगीरपुर अब जगदीशपुर और मौलाना गांव विक्रम नगर के नाम से जाना जाएगा।

3 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिकीकरण के लिए वर्ष 2024 में 4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे 3 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। औद्योगिकीकरण के प्रयासों से बड़नगर में भी बड़े औद्योगिक समूह द्वारा 3500 करोड़ रुपए की लागत से फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना भी शीघ्र होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना का भूमिपूजन हो चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 13 जिलों को मिलेगा। इस परियोजना के पूरा होने पर बड़नगर क्षेत्र के खेत भी बारह महीने फसलों से लहलहाएंगे। प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा का उपयोग प्रदेश में ही करने के लिए हम एक लाख से अधिक युवाओं को शासकीय सेवा में भर्ती करेंगे और इसके लिए अभियान चलाया जा रहा है।

प्रदेश का शैक्षणिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का शैक्षणिक परिदृश्य अब तेजी से बदल रहा है। हमारी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य प्रदेश के बच्चों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का बखूबी सामना कर सकें। प्रदेश के सीएम राइज स्कूल इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य बनाना हमारा पहला काम है। संसाधनों के अभाव में कोई बच्चा स्कूली शिक्षा पाने से वंचित न रहे यही हमारा उद्देश्य है।

आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ का होगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 70 हजार करोड़ रुपए की पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना का लाभ देपालपुर, बड़नगर, शिवपुरी, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, देवास, गुना आदि जिलों एवं स्थानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ का होगा। प्रदेश में लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। इस वर्ष 14 और नवीन मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर 20त्न किया जाएगा, अब शासन दुग्ध क्रय पर बोनस भी देगा। प्रदेश में गोवंश संरक्षण-संवर्धन के लिये 10 से अधिक गौ-पालन करने वालों को अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश के नगर निगम और बड़ी नगरपालिकाओं में 10-10 हजार गोवंश क्षमता की बड़ी गौशालाएं बनाई जा रही हैं। गोवंश पालन का संपूर्ण खर्च शासन उठायेगा।

शैक्षणिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मप्र सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सीएम राइज स्कूल की अवधारणा पर काम करके बहुत बड़ा काम किया है। शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए इतना निवेश और किसी प्रदेश में देखने को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि मप्र के ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का निर्माण हुआ है, जो अद्भुत है। इससे मप्र पावर सरप्लस स्टेट बनने जा रहा है। मप्र में ऊर्जा की प्रति यूनिट उत्पादन दर सबसे कम है, यह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि हमारा देश विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द ही हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। इसमें मप्र का योगदान बेहद अहम होगा। यहां की विकास दर सबसे तेज है। दूसरे राज्यों को मध्यप्रदेश से सीखने की जरूरत है।

भारत में एचएमपीवी वायरस की एंट्री

बेंगलुरु में मिला पहला केस, 8 महीने की बच्ची संक्रमित

चीन में कहर बरपा रहे एचएमपीवी वायरस ने भारत में दस्तक दे दी है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में इस वायरस का पहला मामला सामने आया है। यहां एक निजी अस्पताल में 8 महीने की बच्ची में इस वायरस की पुष्टि हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह वायरस बच्चों में सांस संबंधी समस्याएं पैदा करता है। इससे संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण नजर आने लगे हैं। केंद्र सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

बच्ची की हालत पर स्वास्थ्य विभाग का बयान

बेंगलुरु के निजी अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक, 8 महीने की बच्ची में एचएमपीवी वायरस डिटेक्ट हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि उनकी लैब में इस केस की टेस्टिंग नहीं हुई है, लेकिन प्राइवेट हॉस्पिटल की रिपोर्ट पर शक की कोई वजह नहीं है। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने वायरस को लेकर माता-पिता को सतर्क रहने की सलाह दी है।

एचएमपीवी वायरस पर सरकार अलर्ट

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस वायरस से निपटने के लिए एडवाइजरी जारी की है। अस्पतालों को संदिग्ध मामलों के लिए आइसोलेशन प्रोटोकॉल और आवश्यक दवाओं का स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, गंभीर मामलों के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। दिल्ली के मेडिकल अधिकारियों ने भी वायरस से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की है।

क्या है एचएमपीवी वायरस?

एचएमपीवी यानी ह्यूमन मेटापन्यूमोवायरस एक आरएनए वायरस है। यह श्वसन तंत्र पर हमला करता है और जुकाम, खांसी, और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं पैदा करता है। यह वायरस मुख्य रूप से सर्दियों और शुरुआती वसंत में सक्रिय रहता है। चीन में इस वायरस ने लाखों लोगों को संक्रमित कर दिया है। अब भारत में इसकी एंट्री चिंता का कारण बन रही है। खासकर कमजोर इम्यूनिटी वाले बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह वायरस गंभीर खतरा हो सकता है।

कैसे फैलता है एचएमपीवी वायरस?

यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली बूंदों के जरिए फैलता है। दूषित सतहों को छूने और संक्रमित लोगों के करीब रहने से भी इसका प्रसार होता है। चीन में इस वायरस के कारण मास्क की वापसी हो गई है। भारत में भी स्वास्थ्य विभाग ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। अस्पतालों को संक्रमण से निपटने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

इस साल मेट्रो के कमर्शियल रन का लक्ष्य...लेकिन ट्रायल रन भी पूरा नहीं

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में अब मेट्रो कोच का ट्रैक पर ट्रायल शुरू हो चुका है। उन्हें अब 40 से 50 किलोमीटर की स्पीड के साथ चलाकर ट्रायल लिया जा रहा है, ताकि ट्रैक में कोई समस्या हो तो उसे समय रहते ठीक किया जा सके। इंदौर में अब तक 30 से ज्यादा कोच आ चुके हैं। एक इंजन के साथ तीन कोच जुड़कर एक ट्रेन बनती है। इंदौर में कुल 75 से ज्यादा कोच आने हैं। अभी ट्रेन के नौ सेट तैयार हो चुके हैं। इनका ट्रायल चल रहा है। कमर्शियल रन तक कुछ और कोच आ सकते हैं। गांधी नगर और सुपर कॉरिडोर की तरफ जाने वाले शहरवासियों को आजकल ट्रैक पर मेट्रो ट्रेन चलती नजर आती है। विशेषज्ञ ट्रेन को अलग-अलग स्पीड पर ट्रायल रन कर देख रहे हैं। जब कमर्शियल रन शुरू होगा, तब मेट्रो ट्रेन 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलेगी। वैसे इस साल गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक कमर्शियल रन का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अभी तक 17 किलोमीटर वाले इस हिस्से में ट्रायल रन भी नहीं हो पाया है, क्योंकि अभी तक

मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार नहीं हुए हैं। अभी मेट्रो रेल कापोर्रेशन छह किलोमीटर हिस्से में ही मेट्रो का संचालन करेगी, लेकिन अभी इस हिस्से में मेट्रो को ज्यादा यात्री नहीं मिलेंगे, क्योंकि गांधी नगर से बांगड़दा चौराहा तक आबादी क्षेत्र नहीं है।

मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त को सौंपे जाएंगे दस्तावेज

इंदौर में मेट्रो रेल सेवा फरवरी तक शुरू होने की संभावना है, क्योंकि मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) को मंजूरी के लिए दस्तावेज सौंपने का काम अंतिम चरण में है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि सीएमआरएस से हरी झंडी मिलने के बाद शहर में मेट्रो रेल का संचालन इस महीने या फरवरी से शुरू हो सकता है। कॉरपोरेशन के अधिकारी ने बताया कि एमपीएमआरसीएल की ओर से सीएमआरएस को जरूरी दस्तावेज सौंपने का काम अंतिम चरण में है। दस्तावेज सौंपने के बाद सीएमआरएस मेट्रो रेल के डिपो और स्टेशनों के निरीक्षण की तिथि तय कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेंगे। बताया गया कि शुरुआत में गांधी नगर स्टेशन और सुपर कॉरिडोर के स्टेशन नंबर तीन के बीच 5.90 किलोमीटर के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर मेट्रो रेल का संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस रूट पर ट्रायल रन पिछले सितंबर में किया गया था। हालांकि, इस रूट पर बिखरी आबादी के कारण मेट्रो रेल को शुरुआत में यात्रियों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। एमपीएमआरसीएल के अधिकारी ने कहा कि एक बार जब मेट्रो रेल शुरू हो जाएगी और इसका रूट बढ़ जाएगा, तो यात्रियों की कमी नहीं होगी।

शुरुआत में तीन कोच वाली ट्रेन चलेगी

अधिकारी ने बताया कि शहर के स्टेशनों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उनसे छह कोच की ट्रेन चलाई जा सके। उन्होंने कहा, लेकिन शुरुआत में हम तीन कोच वाली ट्रेन चलाएंगे। अगर यात्रियों की संख्या बढ़ती है, तो तीन और कोच जोड़े जा सकते हैं। उनके मुताबिक, एक मेट्रो रेल कार में 50 सीट वाले समेत 300 यात्री सफर कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि इंदौर में कुल 7,500.80 करोड़ रुपये की लागत वाली मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की नींव 14 सितंबर, 2019 को रखी गई थी। इसके तहत शहर में करीब 31.50 किलोमीटर का रिंग के आकार का मेट्रो रेल कॉरिडोर बनाया जाना है।

400 यात्री सफर कर सकेंगे

इंदौर में 24 मेट्रो ट्रेन चलेगी। एक ट्रेन में 400 से ज्यादा यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। नए कोच आधुनिक रहेंगे। इसमें कोच के बाहर भी सीसीटीवी कैमरे रहेंगे। इंदौर के लिए वड़ोदरा के सांवली प्लांट में मेट्रो कोच तैयार हो रहे हैं। दो साल पहले ट्रालों पर सवार होकर मेट्रो के कोच इंदौर आए थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में पहला ट्रायल रन हुआ था।

भोपाल से पहले इंदौर में चलेगी मेट्रो

इंदौर में गांधीनगर से एयरपोर्ट तक मेट्रो का 31.46 किमी लंबा रूट है। इसमें से 5 किमी का रूट (गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक) को प्रायोरिटी के रूप में रखा गया है। इस हिस्से में काम भी पूरा हो गया है। 5 स्टेशन- गांधीनगर, सुपर कॉरिडोर-6, 5, 4 और 3 भी बन चुके हैं। इस रूट पर ट्रायल रन किया जा रहा है। यह हिस्सा इंदौर की तुलना में कम है। यहां कोई काम भी बाकी नहीं है। इसलिए भोपाल की बजाय इंदौर में पहले कमर्शियल रन करने पर फोकस है।

इंदौर में पीएसडी का काम भी शुरू

मेट्रो में प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) का इस्तेमाल प्लेटफॉर्म को ट्रैक से अलग करने के लिए किया जाता है। इंदौर में यह काम शुरू हो गया है। हर स्टेशन पर यह डोर लगेंगे। ट्रेन जब अपने तय स्थान पर रुकेगी तो ही पीएसडी दरवाजे खुलेंगे। पीएसडी में प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा उपकरण लगे होते हैं। इससे लोग ट्रैक पर गिरने से बच सकेंगे। स्टेशन पर भीड़ अधिक होने से यह उसे कंट्रोल करते हैं।

इंदौर में आ चुकी 9 ट्रेनें, भोपाल में 5

इंदौर में अब तक 9 ट्रेनें आ चुकी हैं। 3-3 कोच की ट्रेन हैं। इस हिसाब से अब तक 27 कोच आ चुके हैं। भोपाल में 5 ट्रेन यानी 15 कोच आ चुके हैं। बता दें कि इंदौर में 3-3 कोच की कुल 25 और भोपाल में 27 ट्रेनें आएंगी।

मारपीट की घटना के बाद सीएम से मिले पार्षद कमलेश कालरा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के वार्ड 65 से भाजपा पार्षद कमलेश कालरा के घर पर हुए हमले ने शहर की राजनीति में हलचल मचा दी है। हमले में कमलेश कालरा के बेटे दीपेश को गंभीर चोटें आईं। पार्षद कमलेश कालरा ने आरोप लगाया है कि यह हमला एक साजिश के तहत किया गया और इसके पीछे नगर निगम के एमआईसी सदस्य जीतू यादव का हाथ है। पार्षद कमलेश कालरा अपने परिवार के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने पहुंचे। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र-4 की विधायक मालिनी गौड़ और उनके समर्थक पार्षदों ने भी सीएम से मुलाकात की। परिवार ने सीएम को घटनाक्रम के बारे में बताया और न्याय की अपील की। इसके पहले, पार्षद कमलेश कालरा और समाज के लोगों ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष को भी इस बारे में जानकारी दी थी। दरअसल, पार्षद कमलेश कालरा की नगर निगम कर्मचारियों के साथ हुई बातचीत का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद शनिवार को कुछ लोग उनके घर में घुस गए। आरोप है कि इन लोगों ने पार्षद के बेटे के साथ मारपीट की, उसे चाकू

मारा और परिवार को धमकाया।

मेंदोला समर्थक पर हमले का आरोप

पार्षद कमलेश कालरा ने मेंदोला समर्थक और एमआईसी मेंबर जीतू यादव और उनके साथियों पर हमला करने का आरोप लगाया। इस घटना के बाद पार्षद के समर्थक और सिंधी समाज के लोग एकत्रित हो गए। उन्होंने जूनी इंदौर थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, सिंधी कॉलोनी के व्यापारियों ने भी दुकानें बंद कर विरोध जताया और सड़कों पर उतर आए। हालात को देखते हुए इलाके में तनाव बढ़ गया है।

मालिनी गौड़ ने सीएम से मिलवाया

शनिवार रात को सीएम डॉ. मोहन यादव का ट्रांजिट विजिट था। एयरपोर्ट पर विधायक मालिनी गौड़ के साथ पार्षद कमलेश कालरा अपने पूरे परिवार को लेकर सीएम से मिलने पहुंचे। पार्षद अपनी बुजुर्ग मां, पत्नी और बेटे के साथ थे। मालिनी गौड़ ने उन्हें सीएम से मिलवाया। मुख्यमंत्री ने परिवार की बात सुनी और जांच-कार्रवाई का आश्वासन दिया। डॉ मोहन यादव ने नगर अध्यक्ष से भी इस मामले में बात करने को कहा। कालरा का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि आरोपियों को सजा मिलेगी। उन्होंने कहा- मैं भाजपा का कार्यकर्ता और पार्षद हूं, पार्टी को हमारे लिए कुछ न कुछ जरूर करना चाहिए।

वीडी शर्मा से भी कराई मुलाकात

इस घटना के बाद पार्षद कालरा के समर्थक और सिंधी समाज के लोग एकत्रित होकर भाजपा कार्यालय पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि यहां विधायक मालिनी गौड़ ने उन्हें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मिलवाया। पार्षद ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी उन्हें दी और कार्रवाई की मांग की थी। बताया जा रहा है कि मामला अनुशासन समिति को दिया गया है, जो इसकी इसकी जांच करेगी।

30-40 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज

पार्षद कमलेश कालरा के बेटे दीपेश कालरा की शिकायत पर जूनी इंदौर पुलिस ने 30 से 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर आरोप है कि इन्होंने पार्षद के घर में घुसकर गाली-गलौज की, हथियार लहराकर जान से मारने की धमकी दी और घर में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया।

युवक के सिर पर सीमेंट का ब्लॉक मारकर हत्या

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सदर बाजार क्षेत्र में शनिवार रात एक युवक की मौत हो गई। घटना तब हुई जब पड़ोसियों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और युवक के सिर पर सीमेंट के ब्लॉक से हमला किया गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतक बब्बर पुत्र जगन्नाथ मोरले, जो सिंकदराबाद कॉलोनी का निवासी था, का विवाद बिट्टू उर्फ साबिर और अल्फास उर्फ अल्लू से हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने छत से सीमेंट का ब्लॉक फेंककर बब्बर के सिर पर वार किया। घटना के दौरान बब्बर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं पास में खड़े सुनील नामक व्यक्ति ने घायल बब्बर को एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को सुनील ने बताया कि शनिवार शाम करीब चार बजे बब्बर पानी पतासे की दुकान पर खड़ा था और किसी महिला से बातचीत कर रहा था। तभी आरोपियों ने बब्बर को कुछ कहा, जिससे कहासुनी शुरू हो गई। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव करते हुए दोनों पक्षों को शांत कर दिया और घर भेज दिया। बाद में बब्बर ने अपने बेटे को बुलाया। इसी दौरान आरोपियों ने छत से सीमेंट का ब्लॉक फेंक दिया, जो सीधे बब्बर के सिर पर लगा। वह वहीं गिर पड़ा। इसके बाद बब्बर को उसके बेटे और पत्नी के साथ एमवाय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस घटना के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

हत्यारों को फांसी दिए जाने की मांग

हत्यारों को फांसी दिए जाने और उनके घर तोड़े जाने को लेकर परिजनों ने स्थानीय रहवासियों के साथ मिलकर शव यात्रा में जमकर नारेबाजी की। पहले मरीमाता चौराहे पर चक्का जाम किया। इसके बाद शव को लेकर वह थाने के यहां पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने शव को रखकर नारेबाजी की। अफसरों ने कठोर कार्रवाई की बात कही। लेकिन परिजन और रहवासी नारेबाजी करते रहे। लोगो का कहना था कि बब्बर ढोलक बजाने का काम करता था। परिवार का पालन पोषण वही करता था। हंगामे के दौरान भारी पुलिस बल यहां पर लगाया गया था।

दोनों आरोपियों को जेल भेजा

बब्बर ने शराब के नशे में आंगनवाड़ी महिला से मारपीट की थी। जिसका स्थानीय रहवासियों ने विरोध किया था। यह घटना सीसीटीवी में दिखी है। इसके बाद बब्बर ने अपने बेटे को बुलाया था जो हाथ में चाकू लहराता हुआ दिखा। बाद में बिट्टू और उसके साथी अल्फाज से कहासुनी हुई। जिसमें बिट्?टू ने ऊपर से पत्थर मार दिया। इस घटना में पहले हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। लेकिन बाद में मौत होने पर हत्या को लेकर केस दर्ज कर लिया गया। इस मामले में महिला के बयानों की भी वीडियो ग्राफी कराई गई है। जिसमें उसने बब्बर द्वारा विवाद करने की बात कही है। वही दोनों हत्या करने वाले आरोपियों को जेल भेजा गया है।

मां काम पर गई और फंदे पर झूल गया 15 वर्षीय नाबालिग बेटा

इंदौर। पलासिया इलाके में 15 वर्षीय नाबालिग अमित, जो 8वीं कक्षा का छात्र था, ने शनिवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर पर अकेला था, क्योंकि उसकी मां काम पर गई हुई थी। शाम को उसके पिता जब काम से लौटे, तो उन्होंने बेटे को फांसी पर लटका पाया। परिवार ने तुरंत अमित को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। अमित परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी बड़ी बहन काम करती है, जबकि पिता चौकीदार और मां घरेलू काम करती हैं। परिवार के बयान में किसी तरह के दबाव या परेशानी की बात सामने नहीं आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है और परिवार से बयान लिए जा रहे हैं। अमित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। परिवार में एक बड़ी बहन भी है, जो काम करती है।

इंदौर-देपालपुर और इंदौर-नेमावर रोड को फोर लेन करने में खर्च होंगे 1189 करोड़

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में सड़कों का निर्माण काफी तेज गति से हो रहा है। इसके साथ ही टू लेन सड़कों को फोर लेन में भी बदलने का काम चल रहा है इसी कड़ी में अब इंदौर-देपालपुर और इंदौर से राघौगढ़ (नेमावर रोड) को फोरलेन में बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्तमान में ये दोनों सडकें टू लेन चौड़ी हैं, जिन्हें बढ़ते वाहन दबाव के कारण चौड़ा करने की योजना पर काम हो रहा है। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव ने बीते दिनों इंदौर संभाग के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान अफसरों को इन सड़कों को फोरलेन करने के निर्देश दिए हैं। इंदौर-देपालपुर रोड को टू-लेन से फोरलेन में बदलने पर 786 करोड़ और नेमावर रोड को फोरलेन में बदलने पर 403 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉपोर्रेशन (एमपीआरडीसी) ने इन दोनों प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाई है। 2023 में दोनों सडकों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम शुरू हुआ था, जो अब पूरा हो चुका है। हालांकि ये अभी तय नहीं हुआ है कि देपालपुर और नेमावर रोड को सरकार के खर्च से फोरलेन किया जाएगा या फिर टोल आधारित सिस्टम से। इंदौर-देपालपुर और इंदौर-नेमावर रोड के जिन हिस्सों को टू लेन से फोर लेन में तब्दील किया जाना है उनकी लंबाई एक समान है। दोनों ही 28-28 किमी. लंबे है लेकिन इसके बावजूद इनकी लागत में काफी अंतर है। इसकी वजह देपालपुर फोरलेन प्रोजेक्ट में एक बायपास यशवंत सागर और दूसरा देपालपुर में बनाने की योजना के कारण है। नेमावर रोड पर भी एक कम लंबाई वाला बायपास बनेगा।

बसों के लिए बांटे डस्टबीन,सरवटे स्टैंड पर नो रेड स्पॉट अभियान

इंदौर। इंदौर के सरवटे बस स्टैंड पर स्वच्छता अभियान के तहत विशेष डस्टबीन वितरण कार्यक्रम किया। इसका मुख्य उद्देश्य बस संचालकों और यात्रियों को स्वच्छता के लिए जागरूक करना और सार्वजनिक जगहों को गंदगी से मुक्त बनाना था। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में वार्ड 55 की पार्षद पंखुड़ी जैन, डिप्टी कमिश्नर शैलेश अवस्थी, नगर निगम की टीम के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि थे। कार्यक्रम के दौरान बस संचालकों को डस्टबीन बांटे और उनसे अपील की गई कि बस से निकलने वाले कचरे को डस्टबीन में ही डाले। यह भी अनिवार्य किया गया कि सभी बस में डस्टबीन उपलब्ध हो।

ड्रग्स की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में क्राइम ब्रांच ने दो बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिसमें क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों ही कार्रवाई में कार से ड्रग्स की तस्करी की जा रही थी। आरोपियों के पास से 257 ग्राम ब्राउन शुगर और 15 ग्राम एचडी ड्रग्स की बरामद की है। जिसकी कीमत कुल 40 लाख रुपए का माल पुलिस ने बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ भी की जा रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिरी से सूचना मिली थी कि खजराना क्षेत्र में स्थित दस्तूर गार्डन के पीछे खाली मैदान में एक कार से ड्रग्स की तस्करी होने वाली है। सूचना पर पुलिस टीम को वहां पहले ही तैनात कर दिया गया था। तभी पुलिस को एक संदिग्ध कार में आते हुए दिखाई दिया। जो पुलिस को देखकर वहां तेजी से भागने लगा। पुलिस ने उस कार चालक का पीछा कर पकड़ लिया। नाम-पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम शिवम और अवी उम्र 18 निवासी हरदा को बताया। जब उनकी कार की तलाशी ली तो उसमें 257 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। वहीं आरोपियों ने बताया कि वह खुद नशे के आदी हैं और अन्य लोगों को सस्ते दामों में ड्रग्स बेचते हैं।

वहीं दूसरी कार्रवाई में रेती मंडी से भी पुलिस ने एक कार से दो आरोपियों को पकड़ा है। जिसमें उस्मान गनी उम्र 24 वर्ष और अल्तमस हुसैन 26 वर्ष दोनों निवासी खजराना है। जब दोनों आरोपियों की कार की तलाशी ली गई, तो उनके पास 15 ग्राम ड्रग्स पाया गया। वही दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि वह सीमावर्ती इलाकों से ड्रग्स लाकर अधिक दामों पर इंदौर में बेचते हैं। दोनों ही कार्रवाई में पुलिस ने कुल 257 ग्राम ब्राउन शुगर और 15 ग्राम एमडी और दो कार बरामद की है। वहीं चारों ही आरोपियों से पुलिस अब पूछताछ में जुटी है। जिससे अन्य मामलों के भी खुलासे होने की संभावना है। वहीं पकड़े गए चारों आरोपियों पर पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राजधानी में स्पा सेंटर की आड़ में 'गंदा धंधा', 68 लोग गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्पा सेंटर के नाम पर वेश्यावृत्ति के अड्डे संचालित हो रहे हैं। शनिवार देर शाम भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा की विशेष टीम ने राजधानी के दस स्पा सेंटर पर कार्रवाई कर मामले का भंडाफोड़ किया। पुलिस आयुक्त ने डीसीपी जोन-2 के निर्देशन में क्राइम ब्रांच के चुनिंदा पुलिसकर्मियों की टीम बनाकर छापे की कार्रवाई करवाई। क्राइम ब्रांच की टीम ने एमपी नगर में मिकाशो फैमिली स्पा एंड पंचकर्म सेंटर, मानसरोवर में नक्षत्र स्पा सेंटर, ज्योति टॉकीज के पास नाहरे स्पा सेंटर, नेहरू नगर स्थित ताज और क्लासिक स्पा सेंटर और बाग सेवनिया स्थित ग्रीन वैली स्पा सेंटर में कार्रवाई की गई। ग्रीन वैली स्पा सेंटर से 22 युवतियों और 18 युवकों को आपत्तिजनक हालात में पकड़ा गया। जैसे ही पुलिस की कार्रवाई की भनक स्पा सेंटर संचालकों को लगी, सभी के शटर डाउन हो गए। पुलिस ने छह सेंटर्स पर कार्रवाई करते हुए 35 युवतियों और 33 पुरुषों कुल 68 लोगों को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया है। बागसेवनिया थाने के दो आरक्षक ग्रीन वैली स्पा सेंटर के संचालक के संपर्क में लगातार रहते थे। पुलिस संचालक और दोनों आरक्षकों के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवा रही है। कॉल डिटेल मिलने के बाद पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई संभव है। इस छापे के बाद संबंधित क्षेत्र के पुलिसकर्मियों और बीट प्रभारियों की भूमिका संदिग्ध लग रही है। मिकाशो फैमिली स्पा एंड

पंचकर्क सेंटर में बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री पाई गई है। क्राइम ब्रांच की टीम ने शनिवार देर शाम से लेकर रात तक भोपाल के अलग-अलग स्थानों पर संचालित करीब दर्जन भर स्पा सेंटर पर छापे मारे मैं, जिनमें 6 में सेक्स रैकेट चलने का खुलासा हुआ है। शाहपुरा और मिसरोद क्षेत्र के कुछ स्पा सेंटर पर जब तक पुलिस की टीम पहुंची, उन्हें छापे की भनक लग चुकी थी और स्पा सेंटर में ताले लगे हुए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार कुल 15 स्थानों पर क्राइम ब्रांच और महिला थाने के अलावा अन्य थानों की स्पेशल टीम बनाकर छापा मारा गया।

दूसरे राज्यों की युवतियां भी पकड़ाई

एमपी नगर के मानसरोवर काम्पलेक्स स्थित नक्षत्र स्पा सेंटर, मीकासो के अलावा बागसेवनिया के ग्रीनवैली और कमला नगर में स्थित वैलनेस स्पा सेंटर में आपत्तिजनक हालत में जो युवतियां मिली हैं, उनमें कई दूसरे राज्यों की रहने वाली हैं। उन्हें यहां रोजगार के बहाने लाया गया और मोटी रकम का लालच देकर वैश्यावृत्ति कराई जा रही थी। आरोपियों में कॉलेज छात्रों के साथ व्यापारी और कुछ दूसरे शहरों के रईशजादे व आवारा किस्म के युवक शामिल हैं।

अंदर से बंद होने वाले केबिन मिले

पुलिस को स्पा सेंटरों में स्पेशल कैबिन मिले हैं, इनकी खासियत यह थी कि केबिन में ग्राहक होने की जानकारी देने के लिए उनके दरवाजों पर तय वस्तुओं को रख दिया जाता था, ताकि वहां कोई दूसरा आकर डिस्टर्ब न करे। स्पा में लड़कियों की तरफ से सेवा के बदले में एक हजार से आठ सौ रुपए वसूले जाते थे। स्पा सेंटरों पर युवतियों ने कैबिन के भीतर अतिरिक्त सेवा देने पर ग्राहक से वहां पर अलग से फीस ली जाती थी। क्राइम ब्रांच सभी स्पा सेंटर में आने-जाने वाले ग्राहकों के मोबाइल नंबर और नियमित ग्राहकों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

खराब परफॉर्मेंस वाले कलेक्टर हटेंगे

मध्यप्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी, बदलेंगे कई चेहरे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार मंत्रालय से लेकर जिलों तक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी में है। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच कई दौर की बैठक हो चुकी है। दरअसल, प्रदेश में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम चल रहा था। इसके चलते कलेक्टरों को नहीं बदला जा रहा था। अब सोमवार को मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम पूरा हो रहा है। इसके बाद कई जिलों के कलेक्टर्स को बदला जाएगा। इसमें जिलों में अधिकारियों के परफॉर्मेंस को देखा जाएगा। बता दें, सरकार मध्य प्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट बना रही है। इसको सरकार ने आठ क्षेत्रों में बांटा है। इसके लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। अब उनके परफॉर्मेंस को देखकर

अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

तीन साल से ज्यादा समय से टिके अधिकारी हटेंगे

प्रदेश में अधिकारियों को नई जिम्मेदारी देने के लिए अब तक के उनके काम को देखा जाएगा। इसमें राजस्व महाभियान में अब तक का काम, सीएम मॉनिट और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों के निपटारे समेत उनके अन्य कामों को देखा जाएगा। इसमें खास तौर से उन शिकायतों को देखा जाएगा, जहां पर शिकायतों को बिना वैधानिक प्रक्रिया के संख्या कम करने के लिए बंद कर दिया गया और अब वहां से दोबारा शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इसमें मंत्रालय में विभाग अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव से लेकर, उप सचिव से लेकर विभाग प्रमुख और संभाग और जिलों में पदस्थ अधिकारियों के ट्रांसफर होंगे। वहीं, तीन साल से अधिक समय से जमे अधिकारियों को भी हटाया जाएगा।

शिकायत वाले अधिकारी भी हटेंगे

खाद वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से वितरण व्यवस्था नहीं बनाने वाले अधिकारियों पर भी संकट हैं। वहीं, इसके अलावा जनप्रतिनिधियों की तरफ से जिन अधिकारियों की सरकार को शिकायत मिली उन पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। इसके अलावा कई जिलों में खाद्य एवं औषधि विभाग में सुरक्षा अधिकारी और औषधि निरीक्षक लंबे समय से फील्ड में काम कर रहे हैं। इनमें कुछ अधिकारियों को पांच से सात साल का समय हो गया है। उनको हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा नापतौल, पंजीयन, उद्यानिकी, खनिज, पुलिस, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू में भी लंबे समय से जमे अधिकारियों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

एमपी पर्यटन के 'ऑफ बीट डेस्टिनेशन' प्रमोट करेंगे बाइकर्स

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बाइकिंग इवेन्ट राइडर्स इन द वाइल्ड- 2025 (तृतीय संस्करण) 05 जनवरी रविवार को एमपीटी के होटल विंड एंड वेव्स से शुरू हुआ। एमपी टूरिज्म बोर्ड के संचालक संतोष श्रीवास्तव एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने फ्लैग ऑफ कर सुपर बाइक रैली को मध्यप्रदेश भ्रमण के लिए रवाना किया। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संस्था मोस्टेच के सहयोग से आयोजन किया जा रहा है। श्रीवास्तव ने बताया कि बाइकर्स भोपाल से राजगढ़, झालाबाड़ के रास्ते से गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट पहुंचेंगे। यहां वह टेंट सिटी में रुकेंगे और अगले दिन गुना, अशोकनगर मार्ग से चंदेरी पहुंचेंगे। चंदेरी में भी बाइक राइडर्स टेंट सिटी में रुकेंगे और चंदेरी के हेरिटेज और प्राणपुर विलेज विजिट करेंगे। यह शहर फिल्म पर्यटन की दृष्टि से राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके बाद बाइकर्स टीकमगढ़ मार्ग से खजुराहो पहुंचेंगे जहां वह एक दिन रुककर हेरिटेज वॉक और बुंदेलखंड की संस्कृति से अवगत होंगे।

खजुराहो से पन्ना के रास्ते बाइकर्स सतना, रीवा एवं सीधी मार्ग से एमपीटी के परसिली रिसोर्ट पहुंचेंगे, यहां वह वेयरफुट सेंड ट्रेक, वर्ड वॉचिंग, जंगल वॉक, मिलेट म्युजियम विजिट और होम स्टे में रात्रि विश्राम करेंगे। बाइकर्स परसिली से उमरिया होते हुए जबलपुर (भेड़ाघाट) पहुंचेंगे। वहां, वह मार्बल रॉक धुंआधार वॉटर फॉल विजिट, बोटिंग और स्काई डायनिंग करेंगे। इसके बाद भेड़ाघाट से भीम बैठका की जाएंगे, इस तरह 11 जनवरी को भोजपुर टेम्पल पर बाइक रैली का समापन किया जाएगा। राइडर्स इन द वाइल्ड 3.0 में इस वर्ष 28 बाइकर भाग ले रहे हैं, इनमें दो महिला बाइकर भी हैं। राइडर्स मुंबई, हैदराबाद, उदयपुर एवं राजस्थान से हैं। एमपीटीबी ने बाइकर्स रैली के साथ एक एंबुलेंस और डॉक्टर की टीम भी शामिल की है ताकि बाइकर्स को किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधित असुविधा न हो। बाइक राइडर्स रैली का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। मध्यप्रदेश को कुछ समय पहले ही एडवेंचर टूरिज्म को लेकर बड़ा खिताब मिला है। अरुणाचल प्रदेश के एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड को ह्यबेस्ट एडवेंचर टूरिज्म स्टेटह्न के रूप में सम्मानित किया गया था। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बाइक रैली के आयोजन का उद्देश्य वन्य-प्राणी, प्राकृतिक स्थल, कला-संस्कृति धरोहर के व्यापाक प्रचार-प्रसार बढ़ावा देना है।

294 कॉलेजों को नर्सिंग काउंसिल ने दी मान्यता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों के लिए यह राहत भरी खबर है। मध्य प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने जीएनएम नर्सिंग (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) और बीएससी नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दी है। नई सूची में कुल 294 कॉलेजों को मान्यता दी गई है, जिनमें से राजधनी भोपाल के 29 नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं। इसमें बड़ी संख्या में प्राइवेट कॉलेजों का नाम है। काउंसिल ने उन कॉलेजों को ही मान्यता दी है जिन्हें जांच एजेंसी सीबीआई की दोनों जांच में क्लीनचिट मिली है। इसके बाद हाईकोर्ट द्वारा गठित समिति ने इन्हें सूटेबल (उपयुक्त) कैटेगरी में पाया है। सूची के अनुसार जीएनएम और बीएससी नर्सिंग के कुल 294 कॉलेजों में सीटों की संख्या 14 हजार 680 रखी गई है। सूची के अनुसार जीएनएम नर्सिंग कॉलेजों की संख्या 138 है, जिनमें 6816 सीटें रहेंगी। वहीं, बीएससी नर्सिंग कॉलेजों की संख्या 156 है। जिसकी कुल सीटें 7864 हैं। इस सूची के आने के बाद नर्सिंग घोटाले मामले के व्हिसल ब्लोअर और एनएसयूआई मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष रवि परमार ने मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल पर आरोप लगाए हैं। रवि परमार ने कहा कि सत्र 2024-25 की मान्यता जनवरी 2025 में जारी करना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। आधे से ज्यादा सत्र बीत चुका है, जिससे सिलेबस पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आपको बता दें कि जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। तीन वर्ष के कोर्स में छह महीने की इंटर्नशिप शामिल होती है। जबकि बीएससी नर्सिंग (बैचलर ऑफ साइंस इन नर्सिंग) ग्रेजुएशन स्तर का कोर्स है, जो कि 4 वर्ष का होता है।

एमपीपीएससी में पद बढ़ाने की मांग एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में एनएसयूआई कार्यकर्ता में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। दरअसल गत सप्ताह इंदौर में एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों द्वारा लम्बे समय से एमपीपीएससी में पदों को बढ़ाने की मांग की जा रही थी जिसके चलते मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा आंदोलन कर रहे छात्रों को आश्वाशन दिया कि पदों में वृद्धि की जाएगी परंतु हाल ही लोक सेवा आयोग द्वारा मात्र 158 पदों पर भर्ती के आदेश जारी किया गया है। जिसको लेकर पूरे प्रदेश में छात्रों में आक्रोश है। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने बताया कि एमपीपीएससी के छात्रों के साथ मोहन सरकार द्वारा वादा खिलाफी की गई है साथ ही साथ प्रदर्शन में शामिल मध्यप्रदेश एनएसयूआई के उपाध्यक्ष को जेल में डाल दिया गया जिनकी जमानत 3 दिन बाद हुई है। तोमर ने बताया कि पूरे 3 लाख से अधिक अभ्यर्थी है और पद सिर्फ 158 जो कि सरासर नाइंसाफी है। यदि सरकार द्वारा 700 पदों की भर्ती नही निकली जाती है तो मध्यप्रदेश एनएसयूआई दिल्ली तक जाएगी और छात्रों की आवाज को उठाएगी। इधर भोपाल में प्रियंका गांधी के पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले भाजपा से दिल्ली प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी का पुतला फूंका। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने बताया कि एक बार पुनः भारतीय जनता पार्टी एवं आरएसएस की महिला विरोधी मानसिकता को उनके नेताओं द्वारा दशार्या गया है । रमेश बिधूड़ी के द्वारा माननीय प्रियंका गांधी जी पर की गई टिप्पणी अशोभनीय है। एनएसयूआई ने मांग की है कि दिल्ली विधानसभा प्रत्याशी का टिकट काटा जाए साथी ही भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलम्बित किया जाए। तोमर ने बताया यदि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष को आगे आकर माफी मांगनी चाहिए साथ ही साथ रमेश बिधूड़ी को पार्टी से बरखास्त करना चाहिए।

गर्ल्स सेफ्टी के लिए बनाया खास जूता,अटैकर को मिलेगा बिजली का झटका

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद रवींद्र भवन परिसर में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन कर रहे हैं। इस आयोजन में जहां भोपाल के छात्रों ने कई नए मॉडल प्रस्तुत किए हैं, वहीं जयपुर के भारतीय विद्या आश्रम स्कूल के छात्रों और उनके शिक्षक ने मिलकर एक अनोखा डिजाइन किया है, जो लड़कियों की सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है। यह जूता एक ओर जहां सामने वाले को करंट का झटका देगा, वहीं दूसरी ओर यह जीपीएस से भी कनेक्ट रहेगा। 6 जनवरी तक चलने वाले इस विज्ञान मेले में स्कूली छात्रों ने अनूठे मॉडल प्रदर्शित किए हैं। शिक्षिका शुभी शर्मा, जो कि स्कूल में फिजिक्स की शिक्षिका हैं, ने बताया कि इस जूते को उन्होंने ह्लसेफ स्पार्कह्व नाम दिया है। उन्होंने इसे अपने दो छात्रों, अथर्व शर्मा और मोहनीश जोशी के साथ मिलकर तैयार किया है। इसमें एक रीचार्जेबल बैटरी लगाई गई है, जो सामने वाले को नॉन-लीथल इलेक्ट्रिक शॉक देती है। यह शॉक जानलेवा नहीं है, लेकिन इससे व्यक्ति अचेत हो सकता है। यह विशेष रूप से उन लड़कियों और महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है, जो अकेले बाहर जाती हैं। उन्होंने बताया कि इसे बनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। देश में हर साल 30,000 रेप केस और करीब डेढ़ लाख किडनैपिंग केस सामने आते हैं। शुभी बताती हैं कि इस जूते में तरह के फीचर हैं। इसमें एक पुश बटन है, जो अटैकर को शॉक देता है।

भोपाल से योग नगरी ऋषिकेश के लिए सीधी स्पेशल ट्रेन

भोपाल। भोपाल से योग नगरी ऋषिकेश के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन शुरू की है। इससे पहले भोपाल के किसी भी स्टेशन से योग नगरी ऋषिकेश के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 07363/07364 हुबली-योग नगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के हरदा, इटारसी, रानी कमलापति और बीना स्टेशनों पर ठहरकर जाएगी। गाड़ी संख्या 07363 हुबली से योग नगरी ऋषिकेश के लिए प्रत्येक सोमवार को 6 जनवरी से अगले निर्देश तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन 13 और 27 जनवरी समेत 3, 10 और 24 फरवरी को संचालित नहीं होगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 07364 योग नगरी ऋषिकेश से हुबली के लिए प्रत्येक गुरुवार को 9 जनवरी से अगले निर्देश तक चलाई जाएगी।

भोपाल में हुआ देशभर से आई महिला साहित्यकारों का सम्मेलन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में रविवार को देशभर से आई महिला साहित्यकारों का सम्मेलन किया गया जिसमें महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया भी शामिल हुईं। उन्होंने इस दौरान कहा कि आदिकाल से ही भारत में विदुषी महिलाओं के द्वारा किए गए लेखन ने परचम फहराया है। ऋग्वेद में 27 महिला साहित्यकारों का जिक्र है। कई मौके आए हैं जब महिला साहित्यकारों ने बड़े-बड़े महानुभावों को निरुत्तर कर दिया। आज भी महिला साहित्यकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि आज स्मार्टफोन के जमाने में जब पढ़ना-लिखना प्रभावित हो रहा है ऐसे में साहित्य सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य मनोरंजन नहीं करता, यह जीवन में परिवर्तन लाता है। हमारे साहित्य में विश्वबंधुत्व की झलक मिलती है।

बाल साहित्य सम्मेलन भी करें

मंत्री भूरिया ने सलाह देते हुए कहा कि जिस प्रकार महिला सम्मेलन किया गया है। वैसे ही बाल साहित्य सम्मेलन किया जा सकता है। इससे बच्चों में राष्ट्रीय साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। आज ऐसा साहित्य लिखने की। जरूरत है जिसमें भारतीय गौरव की झलक दिखनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी महिलाओं और बच्चों को शिक्षा के प्रति आगे बढ़ाने के लिए कई जानकारी कार्य कर रहे हैं।

विचार आएंगे-जायेंगे, साहित्य तत्व बचा रहेगा

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि साहित्य एक तरह का संवाद है, इसमें

विमर्श चलते रहता है, लेकिन बंटने वाला विमर्श ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि आज साहित्य बाहरी देशों से प्रभावित हो रहा है। साहित्य का बंटवारा नहीं किया जाना चाहिए। प्रो. कुमुद शर्मा ने ने कहा कि जब तक हृदय धड़कते रहेगा, साहित्य लिखा जाते रहेगा, यही भारतीय दृष्टि है। उन्होंने कहा कि विचार आएंगे-जायेंगे, साहित्य का तत्व बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि साहित्य आने वाले समाज के लिए पगडंडी तैयार करता है। आज दुनिया में भारतीय साहित्य का प्रभाव इस कदर बढ़ा है कि पश्चिमी देश भी नारीवाद की भारतीयता की तरफ लौट रहे हैं।

एट्रोसिटी लिटरेचर को समझना होगा

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट यूनियन की पहली अध्यक्ष और ग्रेजुएशन करने वाली उडुपी की साहित्यकार रश्मि सावंत ने अपनी बात रखी।

रश्मि ने कहा कि भारत के बाहर एट्रोसिटी लिटरेचर लिखा जा रहा है। इस साहित्य से ब्रिटिशर्स उन मानवीय कार्यों को जस्टिफाई करते हैं जो उन्होंने भारत और अन्य देशों में किए थे। रश्मि ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि जो बचपन से बहुत टैलेंटेड होते हैं, वही आगे जाते हैं। बल्कि वे लोग जीवन में आगे।बढ़ते हैं जो निरंतर प्रयास करते रहते हैं। जीवन में योग्यता ही नहीं, प्रयास ज्यादा महत्व रखते हैं।

वसुदेव कुटुंबकम् की गौरवशाली परम्परा

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की प्रो. शशिकला ने कहा कि पश्चिमी देशों में जब लोग डिप्रेशन में जाने लगे तो वहां अध्ययन शुरू किया गया। स्टडी के परिणाम में ये बात आई कि अच्छे रिश्ते खुश रहने के लिए बहुत जरूरी हैं। लेकिन भारत में तो शास्त्रों में पहले से लिखा है वसुदेव कुटुंबकम्। यह हमारे देश की गौरवशाली पारिवारिक परम्परा रही है। जिससे हमारे देश के सामाजिक मूल्य सबसे ऊपर हैं। यहां महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिला है। यही हमारी साहित्यिक सृष्टि, भारतीय दृष्टि है।

सम्पादकीय

सबसे गर्म बीता साल अब लोगों की बढ़ी चिंता

वर्ष 1901 के बाद वर्ष 2024 भारत में सबसे गर्म वर्ष रहा। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से दी गई इस जानकारी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसने यह बता कर भी चिंता बढ़ा दी है कि इस वर्ष जनवरी के दौरान देश के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं। मौसम का मिजाज क्यों बदल रहा है और धरती का तापमान क्यों बढ़ रहा है, इसे समझने की आवश्यकता है। यह जरूरी इसलिए भी है कि पिछले साल धरती का तापमान 0.54 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

कई देशों में तेजी से बढ़ते तापमान के बीच एक अध्ययन सामने आया था कि जलवायु परिवर्तन का असर पृथ्वी पर दिखने लगा है। आज दुनिया के कई देश गर्मी से बेहाल हैं। भारत में भी पिछले साल रेकार्ड गर्मी पड़ी। कई राज्यों में पारा पचास के आसपास पहुंच गया। मई-जून की तपती गर्मी आगे भी बनी रही। जुलाई और सितंबर में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। यह विचित्र बात है कि मानसून के बाद चार महीने अब तक के सबसे गर्म महीने दर्ज किए गए। क्या जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब स्पष्ट होकर सामने आने लगा है? गौरतलब है कि वर्ष 1901 के बाद वर्ष 2024 भारत में सबसे गर्म वर्ष रहा। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से दी गई इस जानकारी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसने यह बता कर भी चिंता बढ़ा दी है कि इस वर्ष जनवरी के दौरान देश के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार हैं। मौसम का मिजाज क्यों बदल रहा है और धरती का तापमान क्यों बढ़ रहा है, इसे समझने की आवश्यकता है। यह जरूरी इसलिए भी है कि पिछले साल धरती का तापमान 0.54 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। कुछ महीने पहले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर के एक शोध में पाया गया कि शहरीकरण की वजह से देश के 140 शहरों की रातें उनके आसपास के गैर-शहरी क्षेत्रों की तुलना में साठ फीसद गर्म है। यह समस्या केवल भारत की ही नहीं है। न केवल एशिया, बल्कि पश्चिमी देशों से लेकर दक्षिणी गोलार्ध में अंटार्कटिका तक इसकी आंच पहुंच रही है। सवाल है कि क्या हमने प्रकृति पर अधिक बोझ डाल दिया है। दरअसल, जीवाश्म ईंधनों के बेतहाशा इस्तेमाल, जंगलों की कटाई और विकास के नाम पर शहरीकरण को बढ़ावा न दिया गया होता, तो धरती संभवत: कुछ ठंडी होती। मगर मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए जलवायु को संकट में डाल दिया। इसी का परिणाम है कि प्रकृति अब अपना आक्रोश प्रकट करने लगी है। नतीजा यह कि दुनिया में कहीं अधिक गर्मी, तो कहीं ज्यादा सर्दी पड़ रही है। अब इस मसले पर वैश्विक स्तर पर ठोस पहल करने की जरूरत सिर पर आ खड़ी हुई है। हाल में वैश्विक स्तर पर जलवायु में हुए बदलाव इंसानी गतिविधियों और हमारे जीने के तरीके की वजह से हुए हैं। पिछले 200 वर्षों में परिवहन, खेती, हीटिंग और अन्य इंसानी गतिविधियों से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ा है। खासकर कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन वातावरण में जमा हो गए हैं। ये गैस सूरज की गर्मी को वातावरण में ही रोक लेते हैं। इससे पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इन गैसों के उत्सर्जन की एक बड़ी वजह जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ते उत्सर्जन की वजह से दुनियाभर में तापमान बढ़ रहा है और चरम मौसमी स्थितियां बढ़ रही हैं। उच्च तापमान के बावजूद, दुनिया के कुछ हिस्सों में लोग अभी भी नियमित रूप से कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे हैं। यह भी जलवायु परिवर्तन का ही एक हिस्सा है। दरअसल, ध्रुवीय भंवर (पोलर वोरटेक्स) के नष्ट होने, उत्तरी ध्रुव के आस-पास चलने वाली ठंडी हवाओं और कमजोर जेट स्ट्रीम के कारण यूरोप और उत्तरी अमेरिका में अत्यधिक ठंड पड़ रही है। आर्कटिक के गर्म होने का सीधा असर इन पर हो रहा है। जेट स्ट्रीम, दुनिया को घेरने वाली तेज हवाओं के बैंड के तौर पर भी जानी जाती है। जब यह कमजोर होती है, तो ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र की गर्म हवा और ठंडी ध्रुवीय हवाएं एक-दूसरे की जगह पर पहुंच जाती हैं। इससे हजारों किलोमीटर दूर बेमौसम गर्मी बढ़ सकती है या बर्फीले तूफान आ सकते हैं। दुनिया में उत्सर्जन की मौजूदा स्थिति के हिसाब से संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट जारी की है। इससे पता चलता है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से वर्ष 2100 तक वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2.9 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की आशंका है। हम पहले ही 1.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के कारण विनाशकारी परिणाम देख चुके हैं।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिंताजनक

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है। नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के जरिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है।

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

क्या बच्चों को सोशल मीडिया चलाने की छूट होनी चाहिए?

भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा नियमों (डीपीडीपी)- 2025 का मसौदा जारी किया गया है। इन नियमों के जरिये सरकार डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू कर सकती है। संसद ने लगभग 14 महीने पहले इससे जुड़े कानून को मंजूरी दी थी। हालांकि, इसके लागू होने से जुड़े नियम अब जारी किए गए हैं। फिलहाल सरकार ने नियमों के ड्राफ्ट (मसौदे) को सार्वजनिक चर्चा के लिए पोर्टल पर अपलोड किया है। इस मुद्दे पर 18 फरवरी के बाद सरकार निर्णय ले सकती है। इस मसौदे में एक सबसे अहम नियम है बच्चों को ऑनलाइन अकाउंट बनाने की अनुमति देने से जुड़ा। दरअसल, नियम के मुताबिक अब बच्चों का डेटा जुटाने के लिए कंपनियों को उनके माता-पिता या अभिभावकों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इसका सीधा मतलब है कि बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने और इसे इस्तेमाल करने में ही उन्हें परोक्ष रूप से अभिभावकों की इजाजत की जरूरत पड़ेगी। चूंकि, अगर अभिभावक बच्चों के डेटा इस्तेमाल के लिए कंपनी को इजाजत नहीं देते तो वह (बच्चे) सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

इस एक नियम के आने के बाद देशभर में इस पर चर्चा है कि क्या बच्चों को सोशल मीडिया चलाने की छूट होनी चाहिए और अगर यह छूट हो तो इसका दायरा क्या हो सकता है। इसके अलावा सवाल यह भी हैं कि बाकी देशों में इससे जुड़े क्या नियम हैं? अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के देशों में बच्चों के सोशल मीडिया चलाने पर कैसा नियंत्रण है? आइये जानते हैं...

अमेरिका में द चिल्ड्रन्स ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट

अमेरिका में द चिल्ड्रन्स ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट जिसे 1998 में लागू किया गया था, उसके तहत 13 साल से कम उम्र के बच्चों का निजी डाटा जुटाने के लिए वेबसाइट्स को अभिभावकों की सहमति की जरूरत होती है। कई कंपनियां नियमों के तहत 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अपने पेज पर एक्सेस प्रतिबंधित कर देती हैं। हालांकि, अमेरिका में इसके चलते कई बच्चों ने इंटरनेट पर गलत उम्र बताने का चलन शुरू कर दिया। इसके बाद चिल्ड्रन्स इंटरनेट प्रोटेक्शन एक्ट (सीआईपीए) ने स्कूलों और लाइब्रेरीज में गलत कंटेंट को प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि इस कदम का सिर्फ सीमित असर है, क्योंकि बच्चे अभी भी दूसरे तरीकों से सारा ऑनलाइन कंटेंट पा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

ऑस्ट्रेलिया ने बीते साल ही बड़ी टेक कंपनियों के वर्चस्व को चुनौती देते हुए एक कानून पास किया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस कानून के तहत अगर सोशल मीडिया कंपनियां 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने में असफल रहती हैं तो उन पर 5 करोड़ डॉलर तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। हालांकि, ऐसी मैसेजिंग और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को इस प्रतिबंध से दूर रखा गया है, जो कि स्वास्थ्य, शिक्षा के मकसद से काम कर रही हैं।

ब्रिटेन में बच्चों की ऑनलाइन पहुंच पर रोक नहीं

ब्रिटेन में फिलहाल बच्चों की ऑनलाइन पहुंच पर किसी तरह का कोई प्रतिबंध या रोकटोक नहीं है। हालांकि, यहां भी सरकार कुछ मौकों पर कह चुकी है कि वह लोगों को इंटरनेट पर सुरक्षित रखने के लिए तैयार रहेगी। सरकार ने लोगों पर और खासकर बच्चों पर स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के पड़ने वाले असर को लेकर स्टडीज कराना भी शुरू कर दिया है। इसी के मद्देनजर ब्रिटेन की नियामक संस्था ऑफकॉम ऑनलाइन स्तर पर पारदर्शिता और जिम्मेदारी तय करने के लिए इसी साल के अंत तक ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट ला सकती है।

इस कानून के आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स- फेसबुक, यूट्यूब और टिकटॉक के लिए कुछ मानक सख्त कर दिए जाएंगे। इसके तहत चुनिंदा ऑनलाइन सामग्री के लिए उम्र के सत्यापन को अनिवार्य कर दिया जाएगा। इस कानून को 2023 में कंजर्वेटिव सरकार ने पास कराया था।

यूरोपीय संघ में अभिभावकों की सहमति जरूरी

यूरोपीय संघ में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के डाटा को जुटाने के लिए इंटरनेट से जुड़ी कंपनियों को उनके अभिभावकों की सहमति जुटानी पड़ती है। हालांकि, ईयू के 27 सदस्य देश उम्र की इस सीमा को घटाकर 13 तक कर सकते हैं। दूसरी तरफ यूरोप के ही कुछ और देश इस नियम के अलावा अपने नियम भी लागू कर सकते हैं।

नॉर्वे में यह है नियम

नॉर्वे सरकार ने भी 2024 में ही एक प्रस्ताव रखा, जिसके तहत बच्चों को अब 13 की जगह 15 साल की उम्र तक सोशल मीडिया इस्तेमाल करने के लिए अभिभावकों की मंजूरी की जरूरत होगी। इसके बाद ही बच्चे खुद से सोशल मीडिया के इस्तेमाल की मंजूरी दे सकते हैं। यहां की सरकार ने कहा है कि वह ऐसा कानून लाने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत सोशल मीडिया इस्तेमाल के लिए एक न्यूनतम उम्र की सीमा तय हो जाएगी। बताया जता हा कै कि नॉर्वे में नौ साल के करीब 50 फीसदी बच्चे अभी से सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं।

फ्रांस में कानून लागू होने में अड़चन

फ्रांस में 2023 में एक कानून पारित हुआ, जिसके तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 15 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने के लिए भी उनके माता-पिता या अभिभावकों से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि, कुछ तकनीकी वजहों से इस कानून के लागू होने में अड़चन आई हैं। अप्रैल में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस कानून के तहत सख्त नियमों को लागू करने का प्रस्ताव दिया था। इसके तहत 11 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सेलफोन प्रतिबंधित करने और 13 से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट वाले फोन प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव दिया गया। हालांकि, यह साफ नहीं है कि नया प्रस्ताव कब तक पेश होगा और इसके कानून बनने के क्या आसार हैं। जर्मनी में 13 साल से ऊपर के बच्चों को इजाजत जर्मनी में 13 साल से ऊपर और 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की इजाजत है, हालांकि इसके लिए उन्हें अभिभावकों की सहमति लेनी होती है।

जर्मनी में फिलहाल इस कानून को और सख्त करने पर चर्चा नहीं है, दूसरी तरफ बच्चों की सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अभी जो नियम लागू हैं, उनका ठीक ढंग से पालन कराने में ही कई कमियां हैं। नीदरलैंड में सोशल मीडिया चलाने की कोई न्यूनतम उम्र निर्धारित नहीं की गई है। हालांकि, सरकार ने स्कूल में क्लास के दौरान मोबाइल रखने पर प्रतिबंध लागू किए हैं। सिर्फ डिजिटल क्लास, चिकित्सा जरूरत और दिव्यांगता की स्थिति में ही इन प्रतिबंधों से छूट मिलती है।

बेल्जियम में 2018 से ही कानून लाग

बेल्जियम में 2018 से ही कानून लागू है, जिसके तहत 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बिना माता-पिता या अभिभावक की मंजूरी के सोशल मीडिया अकाउं नहीं बना सकते हैं।

इटली में भी माता-पिता की मंजूरी की जरूरत

इटली में 14 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट बनाने के लिए माता-पिता की मंजूरी की जरूरत है। इससे ज्यादा उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल की पूरी आजादी है।

चीन में दिन में सिर्फ दो घंटे स्मार्टफोन चलाने की इजाजत

चीन में 2023 में ही नियामक संस्थाओं ने एक नियम लागू किया है, जिसके तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चे दिन में अधिकतम सिर्फ दो घंटे ही स्मार्टफोन्स के साथ बिता सकते हैं। चीन के साइबरस्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएसी) के मुताबिक, उसने स्मार्ट डिवाइस बनाने वाली कंपनियों से अवयस्कों के लिए ऐसे प्रोग्राम बनाने पर बात की है, जिससे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक के लिए मोबाइल पर इंटरनेट की सुविधा नहीं पा सकेंगे।

राजधानी दिल्ली में श्रीपीठम द्वारा आयोजित लक्ष्मी महायज्ञ का आज

वैदिक मन्त्रों से मंगलाचरण और भव्य कलशयात्र.वैदिक मन्त्रों से मंगलाचरण और भव्य कलशयात्रा.के साथ शुभारम्भ हुआ !

आज 5 जनवरी से 11 जनवरी तक शारदा निकेतन पीतमपुरा में आयोजित.108 कुण्डीय श्री महालक्ष्मी महायज्ञ..में युगऋषि जगदाचार्य महापंडित चंद्रमणि मिश्र के पावन सान्निध्य में आचार्य प्रेमनारायण शर्मा. जी की देखरेख में जौनपुर से पधारे महराजा श्री आशीष सिंह जी के साथ मुख्य यजमानो और वेद विद्या में निष्णात 251 ब्राह्मण आचार्यों के द्वारा महालक्ष्मी के पूजन के बाद महायज्ञ में स्वाहाकार शुरू हुआ... यह महालक्ष्मी महायज्ञ विगत 18 वर्षों से हो रहे इन महायज्ञों की श्रृंखला में एक है..समाज में सुख शांति और देश की समृद्धि के लिए समर्पित है !! श्रीयंत्रों की सिद्धि के साथ समाज. राष्ट्र.. और आप सभी के कल्याण की प्रार्थना !! इसलिए..आओ एक संकल्प ले - आओ एक आहुति दें.....इस पवित्र भावना से आइये. करें माँ.महालक्ष्मी को प्रसन्न । आप लोग श्रद्धापूरित मन के साथ इस महायज्ञ का दर्शन करें तो निश्चित रूप से आपकी मनोकामना पूरी होगी. .!! इस महायज्ञ में श्रीविद्या महालक्ष्मी का अर्चन ,पूजन एवं श्रीयंत्रों की सिद्धि और षडगमाला मंत्रों की विशेष आहुतियां समर्पित की जाएगी..। मैं आप सब का इस महायज्ञ में आह्वान करता हूं आइए आप अपनों के साथ सभी लोग लिए इस महायज्ञ का दर्शन कीजिए, आहुति समर्पित कीजिये..।

बीजेपी ने नगरीय निकाय चुनाव से पहले किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

15 जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, नगरीय निकाय चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए 15 जिलों के नए जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की है। रविवार को रायपुर स्थित भाजपा कार्यालय में यह घोषणा की गई, जहां कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ नए अध्यक्षों का स्वागत किया। बैठक में प्रमुख नेताओं और जिला चुनाव अधिकारियों की मौजूदगी रही। बीजेपी ने विभिन्न जिलों में संगठन को मजबूत करने के लिए नए अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिन 15 जिलाध्यक्षों की घोषणा हुई है, उनके नाम इस प्रकार हैं-

रायपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी श्याम नारंग को सौंपी गई है।

कांकेर जिले की जिम्मेदारी महेश जैन को दी गई है।

रायपुर शहर जिला के अध्यक्ष रमेश ठाकुर बने हैं।

भिलाई में पुरुषोत्तम देवांगन को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दुर्ग में सुरेंद्र कौशिक को अध्यक्ष बनाया गया है।

बीजापुर में घासीराम नाग को नियुक्ति किया गया है।

गौरेला पेंड्रा लालजी यादव का चयन किया है।

बालोद जिले में चमन देशमुख को

अध्यक्ष बनाया गया है।

सूरजपुर जिले का भाजपा अध्यक्ष मुरलीधर सोनी को बनाया गया है।

मुंगेली जिले का भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी को बनाया गया है।

रायगढ़ जिले के भाजपा अध्यक्ष अरूंणधर दिवान बने हैं।

बलरामपुर जिले के भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल

जशपुर जिले के भाजपा अध्यक्ष भरत सिंह को बनाया गया है।

चौकी मोहला मानपुर में नम्रता सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोरबा जिले के भाजपा अध्यक्ष मनोज शर्मा को बनाया गया है।

राजनांदगाँव और कवर्धा के जिलाध्यक्षों की घोषणा नहीं की गई है।

इस प्रकार नगरीय निकाय चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद अब माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। सूत्रों की मानें तो बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष की रेस में पांच प्रमुख दावेदार धरमलाल कौशिक, शिवरतन शर्मा, विक्रम उसेंडी, नारायण चंदेल और किरण सिंहदेव के नाम शामिल हैं। यह चर्चा है कि जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए बीजेपी इस बार किसी ओबीसी चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है, ताकि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय कैबिनेट में सभी वर्गों का संतुलन बना रहे । ऐसे में बीजेपी ओबीसी चेहरे पर दांव लगा सकती है।

बीजेपी के इस संगठनात्मक बदलाव को नगरीय निकाय चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी ने इस कदम के जरिए जिलों में अपनी पकड़ मजबूत करने और चुनावों से पहले संगठन को नई ऊर्जा देने की कोशिश की है। ज़िलाध्यक्षों के नामों की घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में किसे जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने मनाया राष्ट्रीय पक्षी दिवस

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, सामाजिक संस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने रविवार, 5 जनवरी, 2025 को राष्ट्रीय पक्षी दिवस मनाया । नए साल की यह शुरुआत प्रकृति को अपनाने और पक्षी संरक्षण के लिए कदम उठाने का अवसर प्रदान करती है। दुनिया भर में 10,000 से अधिक पक्षी प्रजातियों के साथ, इन आकर्षक जीवों और उनके आवासों के बारे में अधिक जानने के लिए यह दिन रखा गया । चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर और दीप्ति गोयल अध्यक्ष ने बताया कि अपने सुधा ओपन स्कूल आमासिवनी रायपुर छत्तीसगढ़ के बच्चों को आकाश में उड़ने वाले भाँति भाँति के पक्षियों की जानकारी देने और उनके प्रजनन और संरक्षण के बारे में बताया गया । बचपन में हमारी माताएँ अपने बच्चों को घर के आंगन में आई गौरैया , मैना, कौवे , कोयल कबूतर चील आदि के बारे में गाना गा कर बताती थी । एक फ़िल्म में बड़ा सुंदर बाल गीत था। अब दिल्ली दूर नहीं' का गीत 'चुन चुन करती आई चिड़िया' दाल का दाना लाई चिड़िया जिसमें एक बच्चे को विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं की भाव भंगिमा द्वारा बच्चे को बहलाया गया है। इस अवसर पर डॉक्टर नम्रता श्रीवास्तव जो केएच कालेज अभनपुर में गणित की विभागाध्यक्ष हैं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं । महासमुंद जिले से अमृता श्रीवास्तव (आर्टिस्ट) जो अध्यक्ष मात्र कला निकेतन हैं, ने बच्चों को पक्षियों की चित्रकारी सिखाई । बच्चों ने रंग बिरंगी चिड़ियों के चित्र और कला शिल्पी कठोर मोटा दफ़्ती या कठोर गत्ता से बनाया। पूर्व में वक्ताओं ने बताया कि पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं - वे पौधों को परागित करते हैं, कीटों को नियंत्रित करते हैं, और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, कई पक्षी प्रजातियों को आवास विनाश, मोबाइल नेटवर्क, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से खतरों का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय पक्षी दिवस इन मुद्दों पर प्रकाश डालता है । भविष्य की पीढ़ियों के लिए पक्षी आबादी की रक्षा के लिए प्रत्यक्ष कार्रवाई को प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्होंने सुधा फ़ाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना की ।तीन बच्चों निकिता कुर्मी, आर्य चक्रधारी एवं इशिका बघेल को अच्छी कला कृति बनाने के लिए मुख्य अतिथि ने पुरिस्कृत किया । सुधा फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष जीके भटनागर ने सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिए और आगंतुक मेहमानों को कॉफी मग दे कर सम्मानित किया।

मानवता की मिसाल बने डुमरकछार पार्षद व कांग्रेस के मंडलम अध्यक्ष निर्मय राव

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर लोक सचेतन फाउंडेशन (भारत) के तत्वाधान में कोषाध्यक्ष राव निर्भय सिंह के द्वारा सैकड़ों गरीब परिवार को कंबल वितरण किया गया जिले के अंतिम छोर में बसे नगर परिषद डुमरकछार में इस कड़कड़ाती ठंड में लोक संचेतना फाउंडेशन ने 100 से अधिक गरीब परिवार में कम्बल वितरण किया गया नगर परिषद् डूमरकछार के पार्षद कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष व फाउंडेशन के राष्ट्रीय कोषा अध्यक्ष राव निर्भय राव द्वारा कंबल वितरण किया गया समाज सेवा में तत्पर रहने वाले निर्भय राव के द्वारा गरीब ,मजदूर जरूरत मंदो की हमेशा मदद करते रहते है इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में जरूरत मंद परिवार उपस्थित रहे साथ में फाउंडेशन के कार्यकर्ता व समाज सेवक इस नेक कार्य के जरिए समाज को मानवता के प्रति

संदेश देने का कार्य किया है। इस कार्यक्रम में निर्भय राव जी के साथ वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश पटेल आशीष राव एवं अन्य सदस्यों ने भी बराबर का सहयोग प्रदान किया।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर लोगो ने न्याय की अपील

महार समाज ने कैंडल मार्च निकालकर न्याय की गुहार लगाई

हनमंत राव बोर । सिटी चीफ रायपुर, पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में महार समाज के लोगों ने शहर में केंडल मार्च निकालकर मुकेश चंद्राकर को न्याय देने की मांग शासन प्रशासन से की है बीजापुर जिले के महार समाज के लोगों ने रविवार रात को मुकेश चंद्राकर

की हत्या के विरोध में केंडल मार्च निकालकर शहर भ्रमण किया और जय स्तम्भ में आकर पत्रकार मुकेश चंद्राकर को मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। महार समाज के आर डी झाडी जी कहा कि मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या की गई है उन्होंने शासन प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि इस निर्मम हत्या को जिने किया है और जो इसमें शामिल हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले साथ ही उन्होंने मुकेश चंद्राकर के परिवार को न्याय देने की मांग की। महार समाज के लोगों ने मुकेश चंद्राकर अमर रहे, दोषियों को सजा दो के नारे लगाए। पोस्ट मार्टम के अनुसार सिर पर 15 फ्रैक्चर,हार्ट फटा हुआ,लीवर के 4 टुकड़े,5 पसलियां और गर्दन टुटी मिली है इतनी दर्दनाक मौत दिया है ऐसे दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

अब तक दो महिला नक्सलि सहित कुल 4 वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद

AK47, SLR Rifle जैसे automatic weapons सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद

गणेश वैष्णव । सिटी चिफ बस्तर, नक्सल विरोधी सर्च अभियान में चार जिले दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर एवं कोंडागांव की डीआरजी के साथ एसटीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी।

सुरक्षा बलों और नक्सलियों के मध्य दिनांक 04/01/2025 के शाम से रुक रुक कर मुठभेड़ जारी है।

सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक दो महिला नक्सलि सहित कुल 4 वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद हुए है।

मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है

सर्च में AK 47, SLR जैसे आटोमैटिक हथियार बरामद ।

मुठभेड़ एवं सर्च अभियान जारी है।

विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जावेगी।

दमोह में शासकीय प्राथमिक शाला देवरान टपरिया में चल रहे तीन दिवसीय विंटर कैंप का हुआ समापन

समापन के दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर मौजूद रहे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, शासकीय प्राथमिक शाला देवरान टपरिया में तीन दिवसीय विंटर कैंप का आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की गरिमामय मौजूदगी में समापन हुआ। कलेक्टर ने सभी छात्रों से चर्चा की। साथ ही विंटर कैंप के संबंध में राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका शीला पटेल से जानकारी ली। कलेक्टर ने शिक्षकों और छात्रों को पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। संपूर्ण स्कूल प्रागंण का कलेक्टर द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर स्वच्छ, सौंदर्य, वॉल पेंटिंग की सराहना की। शिक्षिका शीला पटेल ने कहा विंटर कैंप में गांव में निवासरत सभी कक्षा पांचवी एवं कक्षा आठवीं के छात्रों को शामिल किया गया। तीन दिवस में कक्षा पांचवी एवं कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष कक्षाएं आयोजित की गई। तीनों दिवस अलग-अलग विषयों के शिक्षकों ने बच्चों को शिक्षा के साथ अन्य गतिविधिया भी सिखाई। विंटर कैंप में छात्रों को योग, डांस और खेल-खेल में गतिविधि आधारित शिक्षा दी गई। इस अवसर पर शिक्षक मोहन सिंह ठाकुर, शिक्षक राजेंद्र पटेल, रश्मि पटेल, लक्ष्मी पटेल, भारती चौबे, बलवंत ठाकुर, विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं, ग्रामीणजनों, छात्रों की उपस्थिति रही।

जुआ और सट्टेबाजी के काले कारोबार से युवा बड़ रहे अपराध की ओर प्रशासन रोक ने में नाकाम

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ अमलाई। शहडोल जिले की अंतिम सीमा के इस थानांतर्गत जुआ और सट्टे बाजी का काला कारोबार से इलाके की फिजा बर्बादी की कगार पर है युवा अपराध में लिप्त होते जा रहे है एक का अस्सी के फेरे में लोगो की गाढ़ी कमाई डूब रही है वही जुआ के फाड़ में बावन पारी नाच रही है, ऐसा नहीं की थाना प्रभारी की जानकारी में नहीं लेकिन आज तक इन अवैध कारोबार का संचालन करने वाले इनकी पकड़ से बाहर है यह अपने आप में कई तरह की शंका को जन्म देता है, मानों खाकी की रहनुमाई में जुआ एवं सट्टेबाज़ी का काला कारोबार गुलजार है।

जन-जन का रखें ध्यान, टीवी मुक्त भारत अभियान

मजदूर बाहुल्य क्षेत्र जटाशंकर बड़ी कॉलोनी में संपन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, माननीय प्रधानमंत्री के आवाहन के बाद से देश से टीवी (छह)के मरीजों को ठीक करने एवं देश से टीवी बीमारी को 2025 तक खत्म करने के उद्देश्य टीवी (छह) मुक्त कैंप आज जटाशंकर बड़ी कॉलोनी में लगाया गया जिसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर विक्रांत सिंह चौहान (जिला स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ गौरव जैन (जिला क्षय अधिकारी), डॉ मनीष संगतानी%देवेंद्र चौबे जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ, चंदा खरे प्रदीप जाटव बीड़ी मजदूर संघ के सहयोग से, डॉ विक्रांत सिंह चौहान के निर्देशन में कैंप का शुभारंभ हुआ, सभी मजदूर वर्ग के लोगों का पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से एक्स-रा भी किया जा रहा है आज 100 से ज़्यादा मजदूरों को निशुल्क जांच निशुल्क दवा का वितरण भी किया गया भारी संख्या में उपस्थिति रही.

बाघ के हमले से एक युवक की मौत

डरे सहमे है ग्रामीण

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिले में इन दिनों जंगली जानवरों का मूवमेंट देखने को मिल रहा है कहीं बाघ तो कहीं तेंदुआ लोगों को नजर आ रहे हैं, इसके पहले तेंदुए को परेशान करने वालो को फोटो वीडियो के बावजूद कार्यवाही की फाइल जाने किस कोने में धूल फांक रही है, दरअसल पिछले दो-तीन दिन से शहडोल जिला मुख्यालय से लगे पंचगांव में भी बाघ का मूवमेंट देखा गया था जिसके बाद से ही चौकन्ना वन विभाग अपनी टीम के साथ लगातार उनकी सर्चिंग में लगी हुई है, लोगो से विभागीय अफसरों ने लोगो को जंगल लकड़ी बीनने जाने को माना किया, जंगल में बाघ है लेकिन रविवार को अंतरा के जंगल में एक बड़ी घटना हो गई जिसमें एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत अवस्था में शव मिला है, मृतक की पहचान स्थानीय निवासी जमुना बैगा के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि बाघ ने ही शिकार किया होगा । हम आपको बता दे की रविवार अंतरा बीट अंतर्गत बिरहुलिया गांव के जंगल में एक व्यक्ति का शव मिला है, जो बहुत क्षत विक्षत अवस्था में है, उसके शरीर के कुछ अंग ही मिले हैं, जिसे देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी जंगली जानवर ने शिकार किया है इस घटना के बाद से ही समूचे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग डरे सहमे हुए हैं ।

इनका कहना है ।

बीट में जमुना बैगा नाम के व्यक्ति का शव मिला है. यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस जानवर ने शिकार किया है. पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बाघ का मूवमेंट देखा गया है. जिसकी लोगों ने जानकारी दी थी, जिसके बाद से वन विभाग की टीम लगातार बाघ को ढूंढ रही है ।
श्रद्धा प्रेंदे, साउथ डीएफओ, शहडोल

सीएम नायब सैनी बोले योगी का बुलडोजर विपक्षियों के भ्रष्टाचारियों के लिए है

हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनवाने में मदद को यूपी का जताया आभार

सुरेंद्र सिंघल/गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, पडोसी राज्य हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने के नायक वहां के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार को कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलडोजर सपा-बसपा समर्थक भ्रष्टाचारियों पर प्रहार के लिए है। नायब सैनी आज योगी सरकार में राज्यमंत्री और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पिछडा वर्ग के सम्मानित नेता जसवंत सैनी के निमंत्रण पर यहां आए थे। उन्होंने रामपुर मनिहारान में सैनी शिक्षा प्रसार समिति के तत्वावधान में उनके सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोक कल्याणकारी नीतियों का गुणगान किया। उन्होंने सहारनपुर के भाजपाइयों का हरियाणा चुनाव में मदद करने के लिए आभार जताया और कहा कि वह 2027 में यूपी विधान सभा चुनाव में अपना पूरा योगदान देने के लिए पूरी ताकत से यहां आएंगे।
नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम आयोजक जसवंत सैनी को अपना प्रिय भाई बताते हुए कहा कि वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख भाजपा नेता है। वह और उनके सहयोगी हरियाणा में किसी भी जनहितैषी कार्य के लिए आदेश करेंगे तो वह उसे मन से कराने का काम करेंगे। उन्होंने पिछडा वर्ग के युवाओं को शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जसवंत सैनी को उन्हें यहां आमंत्रित करने के लिए भी आभार जताया।
समारोह को उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने भी संबोधित किया। समारोह में अखिलेश यादव सरकार में काबिना मंत्री रहे और लोकसभा चुनाव के मौके पर सपा छोडकर भाजपा में शामिल होने वाले साहब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सुरक्षा के कडे बंदोबस्त किए गए थे। आज कई दिन बाद पूरे दिन सूर्य देवता मेहरबान रहे। जिस कारण बडी संख्या में सहारनपुर जनपद और आसपास के सैनी, कश्यप, धीवर एवं अन्य पिछडी जातियों के लोग बडी संख्या में जसवंत सैनी के आहवान पर इस सम्मान सभा में पहुंचे। ध्यान रहे हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में भाजपा और गठबंधन उम्मीदवारों के पक्ष में विशाल जन सभाओं को संबोधित किया था। उनके उस दौरे का बिजनौर सीट पर भाजपा समर्थित रालोद उम्मीदवार चंदन चौहान को लाभ मिला था। उनके खिलाफ अखिलेश यादव ने सपा से दीपक सैनी को खडा किया हुआ था पर नायब सिंह सैनी की भावुक अपील से सैनी बिरादरी का बडा तबका चंदन चौहान के पक्ष में हो गया था और चंदन चैहान कडे मुकाबले के बावजूद विजयी हुए थे। हालांकि सहारनपुर, कैराना और मुजफ्फरनगर सीटों पर खडे भाजपा उम्मीदवार क्रमश: राघव लखनपाल शर्मा, प्रदीप चौधरी और केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान चुनाव नहीं जीत पाए थे। जबकि कैराना और मुजफ्फरनगर दोनो सीटे भाजपा 2014 और 2019 में जीती थी।

अंबाला मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम विनोद भाटिया ने सहारनपुर रेलवे स्टेशन का दौरा किया

यात्रियों की सुविधाओं और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। अंबाला मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद भाटिया ने सहारनपुर रेलवे स्टेशन का दौरा कर यात्री सुविधाओं और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल और अन्य स्थानों का निरीक्षण किया और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम को आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) के कैमरे बंद मिले। उन्होंने इस पर नाराजगी जताई और स्टेशन प्रबंधन को तुरंत कैमरों को चालू करने के निर्देश दिए। पानी की टंकी का भी निरीक्षण किया, जहां टंकी पर उगे पेड़ों को देखा। उन्होंने इसे तुरंत हटाने और टंकी की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

देवबंद गुरुद्वारा कमेटी ने डा.संजीव मिगलानी व डा.नैना मिगलानी को किया सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। देवबंद, गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सभा में आयोजित कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डा.संजीव मिगलानी व डा.नैना मिगलानी को सिरोपा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि मिगलानी दम्पत्ति द्वारा गरीब व जरूरतमंदों को फ्री चिकित्सीय सेवा देकर सच्चे अर्थों में सेवा कर रहे है। उन्होंने वाहेगुरू जी से उनकी चढदी कला की अरदास की। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से डा.संजीव मिगलानी व डा.नैना मिगलानी को सिरोपा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डा. मिगलानी से सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान डा. रवि प्रकाश खोराना, श्याम लाल भारती, वीरेंद्र सिंह उप्पल, बालेंद्र सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, सचिन छाबड़ा, शोभा सिंह मनचंदा, गुरविंदर सिंह छाबड़ा, राजेश अनेजा, रवि होरा, सिमर लाल सचदेवा आदि मौजूद रहे।

पंचायत भवन, ग्राम पंचायत की सर्वाधिक मूल एवं महत्वपूर्ण अधोसरंचना- राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

राज्य मंत्री ने बहेरा बांध में 37.49 लाख रुपए से निर्माण हो रहे अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) का किया भूमि पूजन

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि अटल ग्राम सुशासन भवन, ग्राम पंचायत की सर्वाधिक मूल एवं महत्वपूर्ण अधोसरंचना है। उन्होंने अटल ग्राम सुशासन भवन की सौगात बहुत ही सौभाग्य की बात है। इस भवन का 37 लाख 49 हजार रूपये की राशि से निर्माण होगा तथा अटल ग्राम सुशासन भवन माडल भवन के तर्ज पर बनाया जा रहा है, ताकि सुविधा के बीच गाँव के लोग व पंचायत प्रतिनिधि बैठकर विकास की कार्ययोजना तैयार कर सके। अटल ग्राम सुशासन भवनों का निर्माण कार्य निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत के द्वारा किया जायेगा। प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल आज जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत बहेराबांध में अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्य मंत्री द्वारा ग्राम पंचायत बहेरा बांध में 37.49 लाख रुपए से निर्माण हो रहे अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) का भूमि पूजन किया। कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत हितग्राही प्रेमवती साहू को 20 हजार का हितलाभ प्रदान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री रिंकू रामजी मिश्रा, जनपद सदस्य श्रीमती गेंदिया सिंह श्याम, सरपंच श्री मनमोहन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अनूपपुर सुश्री उषा किरण गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्मवीर योद्धा पदक सम्मान समारोह

नीमच- कोविड-19 महामारी में उत्पन्न संकट के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मध्यप्रदेश द्वारा कोविड-19 महामारी में उत्पन्न कोरोना संक्रमण के दौरान खुद की जान हथेली पर रख संक्रमितों का जीवन बचाने में दिन-रात जुटे रहे कोरोना योद्धाओं का सम्मान किये जाने का निर्णय लिये जाने के उपरांत पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश द्वारा सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को कोरोना योद्धाओं का सम्मान समारोह आयोजित किये जाने हेतु निर्देश दिये गये है। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जिला नीमच में कोविड-19 महामारी में उत्पन्न संकट के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 303 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाने हेतु पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये है। दिनांक 05.01.2025 को प्रथम चरण में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल की अध्यक्षता में पुलिस कन्ट्रोल रूम स्थित सभागृह में कोविड-19 महामारी में उत्पन्न संकट के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह के प्रारंभ में पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन (भापुसे) द्वारा सरस्वती माता की तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्जवलित किया गया, तत्पश्चात एस.पी. अंकित जायसवाल एवं एएसपी नवलसिह सिसोदिया के उद्बोधन उपरांत 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कोरोना योद्वा पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दिनांक 05.01.2025 को आयोजित कोरोना योद्वा सम्मान समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पदक देकर सम्मान किया जाने के पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा सुश्री निकिता सिंह, निरी. शब्बी मेव, निरी. विकास पटेल, निरी. विजय सागरिया, निरी. मनोज सिंह चौहान, निरी. जितेन्द्र वर्मा, निरी. भुरालाल भाभर, निरी. भुवान सिंह गोरे, रनि उर्मिला चौहान, निरी. सौरभ शर्मा, निरी. निलेश अवस्थी, निरी. भीम सिंह सिसोदिया, निरी. शिव रघुवंशी, सुबे. धर्मेन्द्र सिंह गौर, सुबे. सुरेश सिसोदिया, सुबे. एम. भानुप्रताप राठौर, उनि शशीकला चौहान, सउनि भेरूसिंह शक्तावत, प्रआर. प्रदीप शिंदे, प्रआर. कमल सिंह चौहान, प्रआर. प्रणव तिवारी, प्रआर. महेन्द्र सिंह तोमर एवं मप्र आर प्रिती कंडारा का पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार विष्णु परिहार एवं आभार प्रदर्शन रनि विक्रम सिंह भदौरिया द्वारा किया गया।

भालूमाडा पुलिस द्वारा 3 जुआरियों से कुल नगदी 12,000/- रू एवं 4 मोटर साइकिल जप्त

तीनो आरोपियों एवं फरार आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला अनूपपुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एसडीओपी महोदय अनुभाग कोतमा के मार्गदर्शन में निरीक्षक संजय खलखो थाना भालूमाडा के कुशल नेतृत्व में आज दिनाक 05.01.2025 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की ग्राम चुकान में कुछ लोग बैठ कर ताश के पत्तों से रूपये पैसो का हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैँ बिश्वासनीय मुखबीर की सूचना होने से तस्दीक हेतु सहा उ नि अरविन्द राय आर दीपू तिवारी 294, संजय वर्मा 499, रविंद्र मौर्य 579, देवेंद्र सिंह 363, अभिषेक चौहान 445 ग्राम चुकान पहुचे एवं रेड कार्यवाही कर आरोपी लोकनाथ केवट पिता स्वर्गीय भागवत केवट उम्र 52 वर्ष निवासी आमाडांड, श्रवण कुमार गुप्ता पिता छोटेलाल गुप्ता उम्र 45 वर्ष निवासी प्यारी नंबर 2, संतोष कुमार चंद्र पिता मंडल दास चंद्र उम्र 36 वर्ष निवासी चुकान सभी थाना भालूमाडा के पास से एवं फल से कल नगदी ? 12000/- एवं चार मोटरसाइकिल कुल मशरूका 2,82, 000/-रू का जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया

उपरोक्त तीनों आरोपी गण व फरार आरोपी तुलाराम नि भाद के विरुद्ध अपराध क्रमांक 04/2025 धारा 13 जुआ एक्ट का कायम कायम कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी संजय खलखो एवं सहा उ नि अरविन्द राय आर दीपू तिवारी 294, संजय वर्मा 499, रविंद्र मौर्य 579, देवेंद्र सिंह 363, अभिषेक चौहान 445 की भूमिका रही।

अवैध प्लाटिंग- राजस्व अफसरों की भूमिका पर सवाल

2 - 3 डिसमिल भूमि में हो रही अदृश्य खेती

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ एकड़ से डिसमिल और आज स्कवायर फिट में हो रही है एमपी के शहडोल में खेती ऐसा हम नहीं कह रहे है बीते एक सालो में दिव्या सिंह कि तहसीलदारी में लगातार कृषि भूमि के दनादन बने पट्टे चीख चीख कर तो यही बयां कर रहे है कि शहडोल जिले में भूमाफिया का राजस्व अमले से गाठजोड़ इतना पक्का है कि जिम्मेदार भी बगले झाकने लगते है बात सही भी है क्या कृषि भूमि और डाइवर्टेड भूमि बिलकुल फर्क नहीं है राजस्व को चूना क्यों लगाया जा रहा है बगैर रेरा लाइसेंस खरीददार के अधिकारों का हनन शोषण नहीं होगा क्या गारंटी हैं मामले कि सच्चाई जब राज एक्सप्रेस के प्रतिनिधि ने जानना चाही तो मैडम ने साफ तौर पर सवालो का जवाब देने से इंकार कर दिया, कहा परमिशन नहीं, शहडोल, शहर में जमकर पनप रहे भू-माफिया ने जमीन का ऐसा गोरखधंधा जमाया है कि हर वो आदमी जिसे सपनो का आशियाना बनाना है इन दलाल भूमाफिया के जाल में कही न कही फ़स ही जाता है चूकि तय कायदे कानून के मुताबिक़ यदि एकड़ और हेक्टेयर के खेत स्कवायर फीट में यदि ज़मीन धड़ल्ले से बिक रही हैं। तो कही न कही निकट भविष्य में सड़क पानी इत्यादि कि समस्याओ से झूझना पड़ सकता है इसी तरह कि परेशानी से निजात दिलाने के लिए ही ऋश्वक्र (रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) को साल 2016 में पेश किया गया था। ऋश्वक्र एक्ट, 2016 का उद्देश्य घर खरीदार की सुरक्षा करना और रियल एस्टेट उद्योग में निवेश बढ़ाना है। रियल एस्टेट क्षेत्र को विनियमित करने के लिए ऋश्वक्र कानून सभी राज्यों में लागू है। जबकि शहडोल में तमाम जमीनों कि खरीद बिक्री बिना डायवर्सन के जमीनों के न सिर्फ सौदे हो रहे हैं बल्कि रजिस्टर्ड बिक्री पत्र भी तैयार हो रहे हैं। एकड़ और हेक्टेयर में खरीदी जाने वाली खेत की जमीन को प्लाट काटने के बाद अवैध रूप से वर्ग फीट में बेचा जा रहा है। जहां जमीन की रजिस्ट्री होने में विलंब होने की संभावना होती है वहां एग्रीमेंट पर भी जमीन के सौदे हो रहे हैं। खेत को प्लाट में बेचने वाले ज्यादातर धंधा एग्रीमेंट पर कर रहे हैं और खरीददार भी इसके लिए आतुर नजर आते हैं। यही कारण है कई लोग तो सालों बाद रजिस्ट्री नहीं होने से परेशान भी हो चुके हैं लेकिन ऐसे लोगों से नए खरीददार किसी भी तरह का कोई सबक नहीं लेते।

मुठी भर लोगो का गिरोह.. प्रदेश ही नही बल्कि पूरे देश मे शहडोल संभाग इकलौता ऐसा संभाग होगा जहां आज तक सरकार द्वारा भू-माफियाओं के खिलाफ बने एंटी माफिया नियम कानून के तहत ठोस कार्यवाही नही हुई। जबकि चंद मुठ्ठी भर लोगो का गिरोह कही मज़ार तो कही मंदिर के नाम पर संभागीय मुख्यालय समेत आसपास के ग्रामों में बेधड़क कॉलोनाइजर और रेरा के नियमो की धज्जियां उड़ाते हुए प्लाटिंग कर रहा है। ऐसा नही है कि यह सब प्रशासन की नजर में नही है।

सबको खबर बावजूद अनदेखी.. शासन- प्रशासन के नुमाइंदों को इन सब कारनामों की सम्पूर्ण जानकारी है लेकिन इन पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही नही हुई। हालांकि पिछ्ले दिनों कुछ भू-माफियाओं को नोटिस दे कर प्लॉटिंग करने सम्बंधित दस्तावेज तलब भी किए गए थे जिसकी समय सीमा भी कबकी पूरी हो चुकी है लेकिन कार्यवाही शून्य ही है। दरअसल नोटिस के बाद सुस्त पड़ी प्रशासनिक कार्यवाही को लेकर शहर में तो अब इस बात की चर्चाएं भी हैं कि प्रशासन की कार्यवाही सिर्फ इतनी ही थी बाकी सब मैनेजमेंट की बाते हैं।

सरासर एक्ट का उलंघन... इस मामले में कोर्ट के आदेश और शासन के नियमों के तहत कृषि भूमि पर प्लांटिग प्रतिबंधित है। वहीं उमरिया में शासन-प्रशासन की अनुमति के बिना ही कृषि योग्य भूमि की प्लाटिंग कर दी जा रही है। किसानों से जमीन खरीदकर प्लाट काट रहे हैं। एक्ट के अंतर्गत बिना कॉलोनाइजर लाइसेंस व नियमों के बिना प्लाटिंग नहीं की जानी है। खेती जमीन का डायवर्सन भी जरुरी है। जिले में जितनी भी जमीन की खरीदी बिक्री हो रही है वह किसी भी नियम कानूनों को धता बताते हुए हो रही है और प्रशासन आखिर क्यों इन भू माफियाओं के खिलाफ कदम नही उठता यह एक बड़ा सवाल है। कि क्या शासन के तमाम कॉलोनाइजर, रेरा एक्ट जिले में सिर्फ पढ़ने सुनने के लिए हैं.. ?

यहाँ हो गया अवैध प्लाटिंग का खेल .... शहडोल में विचारपुर कल्याणपुर सिंदूरी पोंगरी पोन्डानाला फतेहपुर लालपुर बुढ़ार रोड पुरानी बस्ती कोटमा रोड मेडिकल कॉलेज रोड इत्यादि स्थानो में भूमाफिया सक्रिय हैं और लोगो को सब्जबाग दिखते हुए बिजली पानी सड़क मंदिर जीम और न जाने क्या क्या सपने दिखाकर सीधे तौर पर ठग रहे हालही में एक शिकायत कि फाइल तहसीलदार, एसडीएम एवं कलेक्टर कार्यालय में धू खा रही हैं जिसमे शिकायतकर्ता राधा सिंह, गीता परिहार इत्यादि लोगो ने पुरानी बस्ती निवासी अभिसेक मिश्रा पर बिना रेरा और टीएनसीपी प्लाटिंग करके ज़मीन बेचने और फिर उसी ज़मीन को हड़पने का मामला सामने आया था जिसमे तहसीलदार कार्यालय ने पीड़ित कि शिकायतकर्ता को कागजो में उलझाकर रखा हैं और वहीअवैध कालोनाइजर रेरा, टीएनसीपी सहित तमाम गाइड लाइन्स का उल्लंघन करने वाले को जाने किस स्वार्थ सिद्धि में छूट दे दी गयी समझ से परे हैं।

महिला समाजसेवी का बड़ा खुलासा इस मामले में शहडोल जिले कि महिला समाजसेवी गीता सिंह परिहार ने बड़ा खुलासा करते हुए बतलाया है कि शहर के प्रमुख तालाब जिसमें खसरा नंबर 97 के तालाब भीठा की भूमि पर भूमाफिया में कब्ज़ा ज़माने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया है और इस मामले में राजस्व विभाग का निचले स्तर का अमले का भरपूर सहयोग भूमाफियाओ को मिला है, उनका कहना है इस मामले की शिकायत की बाद जानलेवा हमला तक किया गया, लेकिन जनहित में मैंने नामजद शिकायत की है जो प्रशासन ने ही छूट दे रखी है इसका परिणाम शहडोल की जनता को भुगतान पड़ेगा, आने वाले दिनों में भूजल संकट उत्पन्न होगा, क्योकि शहर की लाइफ लाइन तालाब पर अतिक्रमण हटाने की जगह जिला प्रशासन प्रोटेक्ट कर रहा है शिकायतकर्ता गीता सिंह के मुताबिक़ जिला प्रशासन इसी तरह कि हीलाहवाली करता रहेगा तो आने वाले दिनों में जल संकट के दौर से यहाँ को जनता को गुजरना होगा यह बेहद चिंताजनक है।

क्या कहते है कायदे कानून.... भू-राजस्व संहिता की धारा 172 के तहत कलेक्टर या राजस्व के एसडीओ अवैध निर्माण करने वालों पर बाजार की कीमत का 20 प्रतिशत तक जुर्माना और दंडात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। नगरीय क्षेत्र में कॉलोनाइजर्स नियम का पालन कराना नगर पालिका की जिम्मेदारी होता है। पंचायत क्षेत्र में कॉलोनाइजर्स नियम-21 में कलेक्टर को अवैध कॉलोनी को खत्म करने और इसे विकसित करने वाले पर दंडात्मक कार्रवाई करने का अधिकार है। अब तो न सिर्फ अवैध रूप से जमीन बेचने वालों के खिलाफ बल्कि जमीन का अवैध धंधा करने वालों से जमीन खरीदने पर खरीदने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई का प्रावधान हो गया है।

राजस्व अमले कि साठगाँठ..... अवैध प्लाटिंग का खेल शहर के साथ गांवों में भी जारी है। नगरीय क्षेत्र में कार्यवाही के लिए कलेक्टर और ग्रामीण क्षेत्र के लिए एसडीएम अधिकृत हैं, लेकिन कार्रवाई कोई नहीं कर रहा। नगरीय क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई करने नगर पालिका के पास भी अधिकार है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग पर राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही की जा सकती है। दोनों विभाग के अधिकारी हर बार आश्वासन तो देते हैं कि कार्रवाई सिर्फ नोटिस तक सीमित है। जिसके चलते शहडोल जिले में चल रहे अवैध प्लाटिंग पर अब तक शिकंजा नही कसा जा सका है।

प्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा की सेवा करने से पुण्य लाभ मिलता है - पीएचई मंत्री संपतिया उइके

मंडला

पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने एक करोड़ की लागत से माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के कार्यों का शुभारंभ किया

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा नदी को प्रणाम करते हुए कहा कि मां नर्मदा जी की सेवा करने से सभी को पुण्य लाभ मिलता है। माहिष्मती घाट में एक करोड़ की लागत से लाल बलुआ पत्थरों से घाटों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि माहिष्मती घाट का नामकरण और एक ट्रस्ट का निर्माण कर कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। माहिष्मती घाट में ग्वारीघाट और प्रयागराज की तरह पंचचौकी महाआरती प्रारंभ की गई है। पंचचौकी महाआरती में जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारीगण, पत्रकार, श्रद्धालु और नागरिकगण प्रतिदिन पंचचौकी महाआरती कर रहे हैं। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके रविवार को एक करोड़ की लागत से प्रारंभ किए गए माहिष्मती घाट के सौन्दर्यीकरण के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगरपालिका मंडला उपाध्यक्ष श्री अखिलेश कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री शिव रानू राजपूत, सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा, जिला पंचायत सदस्य सभापति (संचार एवं संकर्म) श्री शैलेष मिश्रा ने मां नर्मदा नदी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार श्री अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री गजानंद नाफड़े, श्री प्रफुल मिश्रा, सुश्री शशि पटेल, श्रीमती गीता चौबे, श्री नरेश कछवाहा, श्री उमाशंकर सिंधिया सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकारगण और श्रद्धालुजन उपस्थित थे। पंचचौकी महाआरती का आयोजन स्थल अमृता चौक, रेवा चौक, नर्मदा चौक, शांकरी चौक और मेकलसुता चौक का बलुआ पत्थरों से सौन्दर्यीकरण किया जाएगा।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि माँ नर्मदा नदी की सेवाभाव से काम करने से पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि मंडला जिले की जनता की मांग के अनुसार एक करोड़ की लागत से नर्मदा नदी के माहिष्मती घाट का लाल बलुआ पत्थरों से सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चार फरवरी नर्मदा जयंती पर्व के पहले उक्त निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए जिससे नर्मदा जयंती के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, खेल, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार कर जिले में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। जिसका लाभ जिले के समस्त नागरिकों को मिल रहा है।

अवैध उत्खनन पर सख्त रुख अपनाते हुए जिला प्रशासन ने कसा शिकंजा

कलेक्टर के निर्देशन पर विशेष गठित टीम द्वारा 4 अलग-अलग जगह हुई संयुक्त रूप से कार्यवाही

गुना गुना कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के निर्देशन में आज जिले के 4 अलग-अलग जगह अवैध उत्खनन पर सख्त कार्यवाही हुई। जिस सर्वे नम्बर पर खदान स्वीकृत है उस सर्वे नम्बर पर उत्खनन न कर अन्य जगह से उत्खनन किया जा रहा था। इस तरह की अवैध उत्खनन की लगातार मिल रही शिकायतों को तुरंत कलेक्टर डॉ. सिंह ने अपने संज्ञान में लिया एवं सख्त रुख अपनाते हुए राजस्व विभाग,खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की विशेष टीम गठित करवाई। जिनके द्वारा आज मौके पर 4 अलग-अलग जगह जाकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। ग्राम भमावद, तहसील कुंभराज में पार्वती नदी पर चल रहे अवैध उत्खनन को लेकर मौके पर एसडीएम चांचौड़ा श्री रवि मालवीय और एसडीएम राघौगढ़ श्री विकास कुमार आनंद द्वारा दलबल के साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही की गई। जिसमें 3 भरे ट्रैक्टर, 17 खाली ट्रैक्टर सहित 1 पोकलेन मशीन को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार राघोगढ़ श्री गजेंद्र सिंह लोधी, तहसीलदार कुंभराज श्रीमती अमिता सिंह तोमर, नायब तहसीलदार कुंभराज श्री सुनील वर्मा, नायब तहसीलदार राघोगढ़ सुश्री रेणु कांसलीवाल उपस्थित रहे। वहीं सिंध नदी बरखेड़ी तहसील गुना के रेत का अवैध खनन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली जप्त की गई। कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती जिया फातिमा, तहसीलदार श्री जीएस बैरवा सहित मौके पर पूरी टीम उपस्थित रही। वही एसडीएम श्री महेश बमन्हा के नेतृत्व में ग्राम ढीमरयाइ में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ी गई। जब्त ट्रैक्टर ट्राली को थाना आरोन ले जाया गया एवं एसडीएम श्रीमती शिवानी पांडे के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए लहरघाट तहसील गुना से 3 ट्रैक्टर एवं ट्राली जप्त किए। कलेक्टर ने इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए सतत निगरानी रखने एवं कार्यवाही के दौरान सामान जप्त के साथ जुर्माने की कार्रवाई भी करने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से अवैध उत्खनन की सूचना को प्रशासन तक पहुंचाने की अपील भी की गई।

इंदौर सभी घरों में नल से जल पहुंचाने वाला जिला शीघ्र घोषित होगा.

इन्दौर

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ली समीक्षा बैठक.

प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश.

इंदौर जिले को प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत शीघ्र ही हर घर में नल से जल वाला जिला घोषित किया जायेगा। इसके लिए तेजी से प्रयास जारी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले में मिशन के अंतर्गत ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है, उन्हें शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, पीएचई के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के.उदिया सहित योजना से जुड़े अधिकारी, सरपंच, ठेकेदार आदि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है उन पंचायत में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की शेष पंचायत में कार्य अतिशीघ्र पूर्ण किया जाए। कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बगैर सूचना के अनुपस्थित रहने वाले पीएचई के एक सब इंजीनियर को निलंबित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में उन्होंने बताया गया कि अब हर सप्ताह प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि इंदौर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 566 गांवों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना स्वीकृत की गई है। जिले में पूर्व से शत-प्रतिशत नल कनेक्शन वाले 29 ग्राम है। इस तरह जिले में कुल 595 ग्रामों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना है। जिले में अभी तक इसमें से 543 गांवों में नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो गया है। उक्त सभी योजनाएं पंचायतों को हस्तांतरित कर दी गई है। शेष 52 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। इन शेष सभी 52 पंचायतों में कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कर संबंधित पंचायत को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित पंचायतों के सरपंचों को भी निर्देशित किया है कि वे पूर्ण योजना को शीघ्र हाथ में लेकर बेहतर संचालन सुनिश्चित करें। हर घर में नल से जल पहुंचाएं। इस कार्य में किसी भी तरह के लापरवाही नहीं बरती जाए।

पचमढ़ी महोत्सव 2025

पचमढ़ी महोत्सव में आर्मी बेंड के संगीत ने बांधा समा

नर्मदापुरम

पचमढ़ी महोत्सव में पिपरिया विधायक हुए शामिल

महोत्सव में भोपाल से आये डांस ग्रुप की प्रस्तुति पर जमकर थिरके पर्यटक

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी में आयोजित किए जा रहे पचमढ़ी महोत्सव में दूर दूर से आने वाले पर्यटकों की भारी भीड़ शामिल हो रही है। पचमढी महोत्सव का मध्यप्रदेश टूरिज्म, जिला प्रशासन एवं datcc के द्वारा आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जा है। 04 जनवरी की रात्रि 8 बजे पचमढी महोत्सव में आर्मी बेंड ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। आर्मी बैण्ड द्वारा बजाए गए सुमधुर संगीत से श्रोतागण भावभिभौर हो गए। सभी ने आर्मी बैण्ड की प्रस्तुति की मुक्त कण्ठ से सराहना की। आर्मी बैण्ड की प्रस्तुति के दौरान पिपरिया विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी ने आर्मी बैण्ड के लीडर डी प्रभाकरन को सम्मानित किया। आर्मी बेंड की शानदार संगीत प्रस्तुति का महोत्सव में पंहुंचे सभी पर्यटकों ने आनंद लिया। आर्मी बेंड की प्रस्तुति के बाद भोपाल के ऑर्केस्ट्रा दल ने फिल्मी गानों की धुनों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां दी। राजस्थान की वेषभूषा में हुए नृत्य ने पर्यटकों को राजस्थान के घूमर ओर काल्वेलिया नृत्य से राजस्थान में होने का अनुभव कराया। साथ ही पचमढी उत्सव में पर्यटकों ने बांस, लकड़ियों से शिल्पकारों द्वारा बनाये गए वस्तुओं को सराहा ओर खरीदा भी। पचमढी महोत्सव में दुकानों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी तथा पर्यटकों ने विभिन्न स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखा ओर स्थानीय व्यंजनों के स्वाद की सराहना की। इसके अलावा पर्यटकों ने एडवेंचर गतिविधियों में जमकर लुफ्त उठाया। पर्यटकों ने हॉट वेलून ,वोटिंग ,जिप्लाइनिग, एवं अन्य एडवेंचर में भाग लिया।

दुनियाभर में बढ़ रहा प्लास्टिक सर्जरी का ट्रेंड, 5 साल में बढ़े 1 करोड़ केस

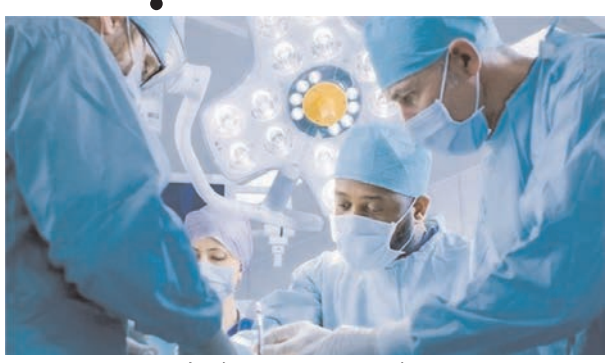

नेशनल डेस्क. आज के समय में दुनियाभर में प्लास्टिक सर्जरी का चलन तेजी से बढ़ रहा है। खासकर विकासशील देशों के युवा अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए इस प्रक्रिया का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि इन देशों में ट्रीटमेंट की लागत काफी कम है।

युवा सबसे ज्यादा ले रहे हैं प्लास्टिक सर्जरी का सहारा

चीन के एक ब्यूटी सर्विस ऐप के मुताबिक, कॉस्मेटिक सर्जरी कराने वाले 67 प्रतिशत लोग 28 साल से कम उम्र के हैं। वहीं अमेरिका में यह आंकड़ा 34 साल से कम उम्र के लोगों का 27 प्रतिशत है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जरी के अनुसार, 2019 में दुनियाभर में 2.5 करोड़ प्लास्टिक सर्जरी हुई थीं, जो 2023 में बढ़कर 3.5 करोड़ हो गई हैं। यह इंडस्ट्री फिलहाल 7 लाख करोड़ रुपए की है और अगले 5 सालों में इसके दोगुना होने की संभावना है।

प्लास्टिक सर्जरी में सबसे ज्यादा डिमांड एंटी रिंकल इंजेक्शन की है। मैकेंजी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल मामलों में से 20% लोग इसी ट्रीटमेंट को चुनते हैं। 20 से 50 साल के लोग इस प्रक्रिया को ज्यादा अपनाते हैं। इसके अलावा हेयर ट्रांसप्लांट, ब्रेस्ट इम्प्लांट, नाक और होठों को सुंदर बनाने वाले ट्रीटमेंट की भी बहुत मांग है।

वीडियो कॉल पर बेहतर दिखने के लिए बढ़ी सर्जरी की मांग

डिजिटल युग में ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉल का चलन बढ़ गया है। अमेरिका में 2021 में हुए एक सर्वे के मुताबिक, प्लास्टिक सर्जरी करने वाले 80% डॉक्टरों ने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर लोग वीडियो कॉल पर बेहतर दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी करवा रहे हैं।

सस्ता इलाज खींच रहा विदेशी लोगों को

विकासशील देशों में प्लास्टिक सर्जरी की लागत कम होने के कारण विदेशी लोग भी यहां इलाज करवाने आ रहे हैं। उदाहरण के लिए 2023 में तुर्की में 15 लाख से ज्यादा लोगों ने हेयर ट्रांसप्लांट करवाया। तुर्की में इसकी कीमत करीब 2.14 लाख रुपये है। जबकि ब्रिटेन में यही प्रक्रिया 10.29 लाख रुपए में होती है। इसी तरह ब्राजील में नाक की सर्जरी की कीमत 1.71 लाख रुपए है, जबकि अमेरिका में यह 6.51 लाख रुपए तक पहुंच जाती है।

आने वाले समय में और बढ़ेगा ट्रेंड

प्लास्टिक सर्जरी का बढ़ता क्रेज दिखाता है कि लोग अपनी खूबसूरती को लेकर ज्यादा सजग हो गए हैं। तकनीक और मेडिकल साइंस की तरक्की के साथ यह इंडस्ट्री और तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

मुंबई में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 13 गिरफ्तार

नेशनल डेस्क. महाराष्ट्र के मुंबई शहर में शनिवार, 4 जनवरी को पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की। घाटकोपर इलाके से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी नालासोपारा इलाके में रह रहे थे और भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने और रहने के आरोप में पकड़े गए हैं। पुलिस की यह गिरफ्तारी एक नाटकीय तरीके से हुई, जो अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल

पुलिस के मुताबिक, एक बांग्लादेशी नागरिक की गिरफ्तारी के बाद हुई जांच में 13 और बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। इनमें से कुछ ने भारत में अवैध रूप से रहने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। एक बांग्लादेशी नागरिक ने 500 रुपये में भिवंडी में फर्जी आधार कार्ड बनवाया था, जिसके बाद वह पुणे में भारतीय नागरिक के रूप में रह रहा था। पुलिस ने जानकारी मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इससे पहले मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति सांभाजीनगर से 9 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। इन आरोपियों ने भी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया था। इनकी उम्र 24 से 54 साल के बीच बताई जा रही है, और इनमें एक महिला भी शामिल है।

अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार अभियान

महाराष्ट्र पुलिस द्वारा अवैध प्रवासियों के खिलाफ यह कार्रवाई लगातार जारी है। देशभर में बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, और दिल्ली सहित अन्य राज्यों में भी ऐसे प्रवासियों को गिरफ्तार कर उनके देश भेजा जा चुका है। पुलिस की कार्रवाई से अवैध प्रवासियों में हड़कंप मचा हुआ है, और अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी मानी जा रही है।

120 करोड़ भ्रष्टाचार का किया था खुलासा

पत्रकार मुकेश चंद्राकर के सिर पर 15 फ्रैक्चर, लीवर के 4 टुकड़े

नेशनल डेस्क. छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले कई हैरान कर देने वाले खुलासे हुए। उनके शरीर पर सिर के 15 चोट के निशान, टूटे हुए लीवर के चार टुकड़े, पांच पसलियों की हड्डियां और एक टूटी हुई गर्दन मिली। इतना ही नहीं, उनकी हार्ट की स्थिति भी बहुत खराब थी।

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने अपने 12 साल के करियर में ऐसी बेरहमी से की गई हत्या पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने यह भी बताया कि इस जघन्य अपराध में दो या दो से ज्यादा हमलावरों का हाथ हो सकता है।

मुकेश चंद्राकर की हत्या के आरोप में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को गिरफ्तार किया गया है। एसआईटी ने उसे हैदराबाद से पकड़ा। 3 जनवरी को मुकेश का शव सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ था, जो ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की संपत्ति पर स्थित था। मुकेश एक जनवरी से लापता थे, और पुलिस की जांच के दौरान वहां से शव की पहचान की गई।

मुकेश चंद्राकर ने सुरेश चंद्राकर के करप्शन को उजागर किया था, जो बस्तर में एक सड़क निर्माण परियोजना के तहत 120 करोड़ का ठेका ले चुका था। उनकी हत्या के बाद ठेकेदार के खिलाफ जांच शुरू की गई थी। मुकेश के आखिरी कॉल की जांच में सुरेश चंद्राकर के भाई रितेश का नाम सामने आया, और इसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया था। पुलिस को संदेह था कि मुकेश के शव को टैंक में डालकर प्लास्टर किया गया था।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर इस्तीफे का दबाव

लिबरल पार्टी में घमासान, जनता में गुस्से की लहर

नेशनल डेस्क. कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में एक अहम घोषणा की है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि वह बहुत जल्द प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। यह कदम उस वक्त उठाया गया है जब उनकी पार्टी, लिबरल पार्टी, में अंदरूनी विद्रोह और असहमति की स्थिति पैदा हो गई है। इससे पहले, जस्टिन ट्रूडो ने अपनी पार्टी के नेताओं और सांसदों से मिली आलोचनाओं को लेकर सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखा था, लेकिन अब यह स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि उन्हें खुद इस्तीफा देने का विचार करना पड़ा है।

नेशनल कॉकस की बैठक से पहले इस्तीफा देने का ऐलान

ट्रूडो ने यह घोषणा करने से पहले यह सुनिश्चित किया कि पार्टी के नेताओं के बीच स्थिति और बिगड़ने से पहले वह एक कदम उठाएं। पार्टी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ट्रूडो ने अपनी लिबरल पार्टी के नेशनल कॉकस की बैठक से पहले इस्तीफा देने का ऐलान किया है। इस बैठक में उन्हें पार्टी के नेताओं और सांसदों से तीव्र विरोध का सामना करना पड़ सकता था, और उन्हें यह डर था कि यदि वह इस्तीफा नहीं देते तो उन्हें पार्टी नेतृत्व से हटाया जा सकता था। कनाडा की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में फिलहाल लिबरल पार्टी के 153 सांसद हैं, जबकि इस सदन की कुल सीटें 338 हैं, जिसमें बहुमत का आंकड़ा 170 है। इस संख्या के हिसाब से लिबरल पार्टी को अपने सहयोगियों से समर्थन की जरूरत थी। कुछ महीने पहले, ट्रूडो की सरकार को सहयोग देने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना समर्थन वापस ले लिया था, जिसके बाद ट्रूडो सरकार अल्पमत में आ गई थी। हालांकि, अक्टूबर में हुए बहुमत परीक्षण में, ट्रूडो को एक अन्य पार्टी का समर्थन मिल गया था, जिससे उनकी सरकार बच गई थी।

क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने दिया इस्तीफा

हालांकि, यह संकट केवल पार्टी स्तर तक सीमित नहीं है। कनाडा की डिप्टी प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे ने इस संकट को और गहरा कर दिया। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने अपने पद से इस्तीफा उसी दिन दिया जब उन्हें बजट पेश करना था। उनकी विदाई से ट्रूडो पर राजनीतिक दबाव और बढ़ गया, क्योंकि उनके इस्तीफे ने संकेत दिया कि ट्रूडो के साथ पार्टी और कैबिनेट में भी असंतोष की भावना तेजी से फैल रही है। क्रिस्टिया के इस्तीफे के बाद, अब कैबिनेट और पार्टी के अंदर इस बात की बहस शुरू हो गई है कि क्या ट्रूडो को पद से हटाया जाना चाहिए। कई लिबरल पार्टी के नेता और सदस्य अब ट्रूडो के नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। इस स्थिति ने कनाडा की राजनीति में एक अस्थिरता का माहौल बना दिया है। इसके परिणामस्वरूप, ट्रूडो पर इस्तीफा देने का दबाव अब अधिक मजबूत हो गया है, खासकर उनके खिलाफ पार्टी के भीतर बढ़ते विद्रोह और असहमति को देखते हुए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यापारिक विवाद

यह दबाव केवल पार्टी और सरकार से ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मोर्चे से भी बढ़ा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से कनाडा पर अपने वाणिज्यिक नीतियों के तहत हमला बोला है।

ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह कनाडा और मेक्सिको से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। उनका कहना है कि इन देशों से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी अमेरिका में प्रवेश कर रहे हैं और इसके साथ ही, ड्रग्स की तस्करी भी बढ़ रही है। इस संबंध में ट्रूडो और क्रिस्टिया फ्रीलैंड के बीच मतभेद सामने आए थे। माना जा रहा है कि इस व्यापारिक विवाद और ट्रंप की नीति को लेकर दोनों नेताओं के बीच मतभेद बढ़े थे। अब जब ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, तो कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो सकती है। इन टैरिफ उपायों का कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है, और इससे ट्रूडो के ऊपर बढ़ते राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

कनाडा में जनता का असंतोष और मीडिया की प्रतिक्रिया

कनाडा के लोगों में भी अब ट्रूडो के प्रति गुस्सा बढ़ गया है। हालिया दिनों में टीवी पर हुए लाइव साक्षात्कारों में कई नागरिकों ने ट्रूडो की आलोचना करते हुए कहा कि वह देश को बर्बाद कर चुके हैं। एक व्यक्ति ने तो यह भी कहा कि ट्रूडो के अंदर उनके पिता की ईमानदारी का कोई अंश नहीं है और अब उनके जाने का समय आ गया है। इसके अलावा, मीडिया में भी ट्रूडो के खिलाफ एक मुहिम शुरू हो गई है। प्रमुख पत्रकारों ने सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि ट्रूडो अब तक की सबसे कमजोर स्थिति में हैं और उनके इस्तीफे से ही कनाडा के लिए बेहतर स्थिति हो सकती है। पत्रकार डैनियल बॉर्डमैन ने यह टिप्पणी की है कि ट्रूडो के इस्तीफे से देश को स्थिरता मिल सकती है।

क्या होगा अगला कदम?

अब यह देखना होगा कि क्या जस्टिन ट्रूडो वास्तव में इस्तीफा देंगे या वह अपने पद पर बने रहने के लिए कोई और रास्ता अपनाएंगे। अगर वह इस्तीफा देते हैं, तो लिबरल पार्टी को एक नए नेता की तलाश करनी होगी और साथ ही कनाडा की सरकार को भी नए दिशा-निर्देश की आवश्यकता होगी। फिलहाल यह स्थिति अस्थिर बनी हुई है, और भविष्य में होने वाली राजनीतिक घटनाएं कनाडा के लिए महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

गुजरात में फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

CM कार्यालय का रौब दिखाकर करता था ठगी

नेशनल डेस्क। गुजरात के नवसारी जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर लोगों को ठग रहा था। यह लोगों को खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय में होने का रौब दिखाता और ठगी करता था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कैसे हुआ खुलासा?

नवसारी एसडीएम जनम ठाकोर को इस फर्जी अधिकारी का शक तब हुआ जब आरोपी बार-बार फोन कर मामलों में दखल देने लगा। उसने खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताया और सरकारी कामों में अपनी धमक दिखाने की कोशिश की।

वहीं एसडीएम ने मामले की जांच शुरू करवाई तो असलियत सामने आई। जांच में पता चला कि आरोपी का नाम नितेश चौधरी है और वह सूरत जिले के बारडोली के पास मढ़ी वांसकुई गांव का रहने वाला है।

क्या करता था फर्जीवाड़ा?

नितेश खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था। वह सरकारी अधिकारियों को फोन करता और मामलों में हस्तक्षेप करता था। इस रौब का फायदा उठाकर वह लोगों को ठगने का काम कर रहा था।

गिरफ्तारी और केस दर्ज

जांच के बाद नवसारी एसडीएम ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी नितेश चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि उसने अब तक कितने लोगों को ठगा और किस तरह की ठगी को अंजाम दिया।

पुलिस की अपील

वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के दावों की बिना पुष्टि किए उस पर भरोसा न करें। सरकारी अधिकारी या कर्मचारी होने का झांसा देने वालों के बारे में पहले जांच कर लें।

अंडों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी, 70 फीसदी तक बढ़े दाम

इंटरनेशनल डेस्क. कैलिफोर्निया राज्य इस समय एक गंभीर समस्या का सामना कर रहा है। बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) के कारण अंडों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो गई है। सर्दियों के मौसम में अंडों की मांग ज्यादा हो जाती है, लेकिन बर्ड फ्लू की वजह से आपूर्ति में कमी आ गई है। इस कारण अंडों की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई हैं। पिछले दो महीनों में कैलिफोर्निया में अंडों की कीमतों में 70 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक दर्जन बड़े अंडों की कीमत 0.78 डॉलर बढ़कर 8.97 डॉलर हो गई है। वहीं, दक्षिणी कैलिफोर्निया में जंबो अंडों की कीमत 8.91 डॉलर से बढ़कर 9.10 डॉलर के बीच हो गई है। अमेरिका में सर्दियों के दौरान, खासकर छुट्टियों के मौसम में बर्फबारी के चलते अंडों की खपत काफी बढ़ जाती है। यूएसडीए (यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर) के अनुसार, जंबो अंडे सबसे बड़े होते हैं और उनके बाद अतिरिक्त बड़े, बड़े और मध्यम अंडे होते हैं। हालांकि, पूरे देश में अंडों की कीमतें कुछ हद तक घटीं हैं, लेकिन अभी भी वे उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। यूएसडीए के अनुसार, बर्ड फ्लू (एचपीएआई) के बढ़ते मामलों के कारण अंडों की आपूर्ति संकट पैदा हुआ है। इस फ्लू की वजह से लाखों अंडे देने वाली मुर्गियों को मार दिया गया था। दिसंबर के अंत तक, 128 मिलियन से अधिक पक्षी इस बीमारी से संक्रमित हो चुके थे।

यूक्रेन खिलाफ जंग में जानबूझ कर अपने ही साथियों की जान ले रहे उत्तर कोरियाई सैनिक

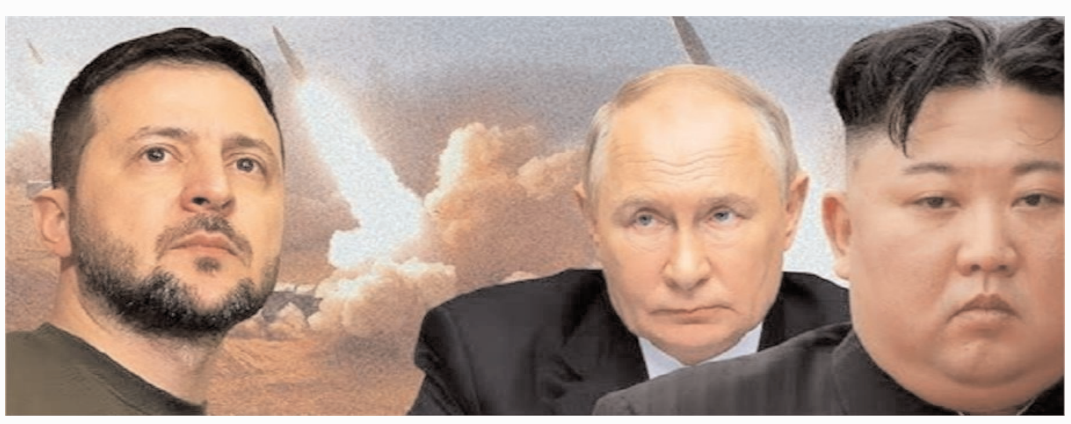

इंटरनेशनल डेस्क. रूस-यूक्रेन संघर्ष में उत्तर कोरिया के सैनिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने न केवल कोरियाई और रूसी सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर किया, बल्कि उनकी एक पूरी बटालियन को भी खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि बंदी बनने से बचने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिक अपने ही घायल साथियों को मार देते हैं। जेलेंस्की ने दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र के मखनोव्का गांव के पास यूक्रेनी सैनिकों के साहस की सराहना की। उत्तर कोरियाई सैनिकों ने घायल साथियों को बंदी बनने से रोकने के लिए उन्हें मार देने की घटनाएं सामने आईं। पश्चिमी आंकलन के अनुसार करीब 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की मदद के लिए युद्ध में शामिल हैं।

रूसी रणनीति के तहत पोक्रोव्स्क शहर पर कब्जे के लिए जोर लगा रहे रूसी सैनिकों को रसद आपूर्ति लाइनों पर फोकस करना पड़ा।

जेलेंस्की के अनुसार, रूसी सीमा के करीब 1,000 किलोमीटर क्षेत्र में भीषण लड़ाई जारी है। पोक्रोव्स्क शहर में हालात सबसे चुनौतीपूर्ण हैं, जहां रूसी सैनिक भारी नुकसान के बावजूद कोई ठोस बढ़त नहीं बना सके। जेलेंस्की ने उत्तर कोरियाई सैनिकों के व्यवहार में एक पैटर्न की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि बंदी बनने से बचने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। हालांकि, जेलेंस्की के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि यूक्रेनी सेना ने रूस और उत्तर कोरिया की संयुक्त ताकत को कमजोर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569